बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 111 | शुक्रवार 11 अगस्त 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की। सम्पर्क करें

मो0-9456278011

ओडिशा में बढ़ी भाजपा की उम्मीदें, नवीन पटनायक के बजाए उनकी टीम को बनाएगी निशाना

बीजद से ज्यादा बड़ी चुनौती नवीन पटनायक बने हुए है, जिनकी लोकप्रियता का काट फिलहाल नहीं दिख रहा है। ऐसे में भाजपा ने अब नवीन के बजाए उनकी टीम और बीजद को निशाना बनाने की रणनीति पर काम कर रही है।

नई दिल्ली। ओडिशा की राजनीति और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक एक दूसरे के पर्याय जैसे हो गए हैं। यही वजह है कि ओडिशा की राजनीति बीते दो दशकों से नवीन पटनायक के आसपास घूमती रहती है। भाजपा के लिए इस राज्य में बीजद से ज्यादा बड़ी चुनौती नवीन पटनायक बने हुए है, जिनकी लोकप्रियता का काट फिलहाल नहीं दिख रहा है। ऐसे में भाजपा ने अब नवीन के बजाए उनकी टीम और बीजद को निशाना बनाने की रणनीति पर काम कर रही है। ओडिशा में लोकसभा व विधानसभा चुनाव एक साथ होने हैं। ऐसे में वहां की चुनावी रणनीति पर दोनों चुनावों का दबाब रहता है। राज्य में कांग्रेस काफी कमजोर है। ऐसे में सत्तारूढ़ बीजद का मुकाबला भाजपा से ही होना है। भाजपा ने भी नवीन पटनायक की मजबूत स्थिति को देखते हुए सीधे उन पर प्रहार न करने की रणनीति अपनाई है। ऐसे में उसके निशाने पर राज्य के अन्य मंत्री, सांसद व नौकरशाही रहती है। वैसे भी भाजपा को संसद में मौके बेमौके बीजद का समर्थन मिलता रहा है। लोकसभा में भाजपा को पिछली बार काफी लाभ मिला था और उसने 21 में से आठ पर जीत हासिल की थी। बीजद को 12 व कांग्रेस को एक सीट मिली थी। दूसरी तरफ विधानसभा में 147 सीटों में बीजद के पास 114 सीटें हैं। भाजपा के पास 22, कांग्रेस के पास नौ व

सीपीएम व आईएनडी के पास एक एक सीट है। इस आंकड़े से साफ है कि राज्य में 2000 से सत्ता पर काबिज नवीन पटनायक को फिलहाल बड़ी चुनौती मिलती नहीं दिख रही है। हालांकि भाजपा ने राज्य में कई प्रयोग किए हैं, लेकिन वह सफल नहीं रहे हैं।

ऐसे में भाजपा की रणनीति लोकसभा चुनावों पर ज्यादा केंद्रित रहेगी। उसकी कोशिश रहेगी कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे

राज्य में कांग्रेस काफी कमजोर है। ऐसे में सत्तारूढ़ बीजद का मुकाबला भाजपा से ही होना है। भाजपा ने भी नवीन पटनायक की मजबूत स्थिति को देखते हुए सीधे उन पर प्रहार न करने की रणनीति अपनाई है।

के साथ अपनी ताकत को और ज्यादा बढ़ा सके। साथ ही नवीन पटनायक पर नरम रुख अपनाकर भाजपा इसे भी अपने पक्ष में भुनाने की कोशिश करेगी। इस बार पार्टी की कोशिश राज्य की आधी से ज्यादा सीटें जीतने की होगी। ओडिशा में भाजपा की रणनीति को अमल में लाने का दारोमदार केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, आदिवासी नेता जियोल ओराम व युवा नेता संबित पात्रा पर ज्यादा रहेगा। पार्टी की रणनीति को धार देने के लिए राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल कमान संभाले हुए हैं।

नूंह में 100 करोड़ रुपये के नशे का कारोबार, तस्करी की कोचिंग; आतंक से भी रिश्ता

नूंह। नूंह के पुन्हाना से देशभर में सालाना 100 करोड़ रुपये के नशे का कारोबार किया जा रहा है। साथ ही यहां नशा तस्करी का पाठ भी पढ़ाया जा रहा है। यहां लग रहे तस्करी की पाठशाला में देशभर से लोग ज्ञान लेने पहुंचते हैं। इससे पुलिस की चिंता बढ़ गई है। अधिकारी इसपर कुछ भी कहने से बच रहे हैं। नूंह पुलिस के अनुसार नशा तस्करी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन साल में 64 से अधिक मुकदमे दर्ज किए गए। इसमें 170 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स और सूत्रों के अनुसार झारखंड पुलिस ने खुफिया एजेंसी की मदद से हाल ही में इंडियन मुजाहिद्दीन (आईएम) के कुछ सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के अलावा हरियाणा के नूंह जिला स्थित पुन्हाना से ब्राउन शुगर व अन्य नशीले सामान मंगाते हैं। इनकी तस्करी जमशेदपुर के कोल्हान, कीताडीह, संजयनगर, बर्मामाइंस, जुगसलाई, खरकई नदी तट से सटे बस्ती क्षेत्र, छायानगर व अन्य क्षेत्र में करते हैं। इसके लिए नशा नूंह, यूपी के गोरखपुर, बिहार के रास्ते झारखंड के जमशेदपुर व अन्य शहरों में पहुंचाया जाता है। तस्करी के फंड को आतंकी व देश विरोधी गतिविधियों में लगाते हैं।

पुन्हाना से है कनेक्शन

मीडिया रिपोर्ट्स व सूत्रों के अनुसार जमशेदपुर में गिरफ्तार इंडियन मुजाहिद्दीन के आतंकी अबू फैजल, इरशाद, शीश महमूद, अब्दुल रहमान कटकी, धतकीडीह के अब्दुल समी, मसूद व अख्तर आजादनगर के जीशान अली सहित अन्य का नूंह कनेक्शन है। वह पुन्हान से ब्राउन शुगर व अन्य नशीले पदार्थ की तस्करी करते हैं।

एसपी ने नहीं दिया जवाब

इस बाबत नूंह पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारनिया जानकारी मांगी गई तो उन्होंने कोई जबाव नहीं दिया। व्हाट्सएप पर भी उनसे पक्ष जानने के लिए मैसेज किया गया। लेकिन उनका कोई उत्तर नहीं अया।

झारखंड पुलिस ने क्या कहा–झारखंड पुलिस के महानिदेशक अजय सिंह ने कहा कि पुलिस को सख्त निर्देश दिया गया है कि संगठित अपराधियों को चिह्नित कर सख्त कार्रवाई करें। बड़े पैमाने पर अभियान चलाने की तैयारी है।

ज्ञानवापी में लगातार सातवें दिन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण टीम का वैज्ञानिक सर्वे

वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम गुरुवार को निर्धारित समय पर सुबह आठ बजे पहुंच गई। लगातार सातवें दिन टीम ने पूरे ज्ञानवापी परिसर में सर्वे कार्य शुरू कर दिया है। सर्वे में परिसर के हर हिस्से की फोटो और वीडियोग्राफी कराने के साथ थ्री डी मैपिंग हो रही है। थ्रीडी इमेज तैयार करने के लिए टीम ने परिसर में कई जगहों पर डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (डीजीपीएस) स्थापित किया है। इसके पहले छठे दिन माना जा रहा है कि टीम ने तहखानों की दीवारों और सतह की थ्री डी मैपिंग कराई। इसके साथ पश्चिमी दीवार और तहखानों के पास पड़े मलबे को भी रिकार्ड में दर्ज किया। सर्वे टीम ने ज्ञानवापी के पूरब दिशा में मौजूद दो ऊंची मीनारों और उसमें बनी सीढ़ी को देखने के साथ इसमें इस्तेमाल पत्थरों की

जांच की। पत्थरों पर उभरी आकृतियों की वीडियोग्राफी की। सर्वे टीम में शामिल 42 विशेषज्ञों की टीम चार दलों में बंट कर पहले चिह्नित स्थानों की जांच शुरू की। 10 सदस्यों का एक दल दक्षिणी तहखाने में मौजूद व्यास जी के कमरे में दाखिल हुआ। 10 सदस्य दल उत्तरी तहखाने में दाखिल हुआ। खास बात यह है कि ज्ञानवापी परिसर में ग्राउंड पेनेट्रेटिक रडार (जीपीआर) सर्वे के लिए आईआईटी कानपुर की टीम भी आने वाली है। उधर, प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने ज्ञानवापी शृंगारगौरी केस के वादी व प्रतिवादी को सख्त हिदायत दी है कि ज्ञानवापी परिसर के एएसआई सर्वे के संबंध में किसी तरह की बयानबाजी न की जाए। प्रशासन ने दोनों पक्षों को हिदायत दी है कि सर्वे के दौरान वे एएसआई टीम से दूरी बनाकर रखेंगे। इसका असर दिखा और सर्वे टीम के साथ आए वादी पक्ष के अधिवक्ता मौन दिखे। ज्ञानवापी सर्वे को देखते हुए अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था डॉ. एस चन्नप्पा व अन्य अफसर क्षेत्र में फुट पेट्रोलिंग पर खासा जोर दे रहे है।

इस्लाम के खिलाफ इंस्टाग्राम पर विवादित पोस्ट, मध्य प्रदेश के रतलाम में बवाल

रतलाम। सोशल मीडिया पर इस्लाम के खिलाफ विवादित पोस्ट को लेकर मध्य प्रदेश के रतलाम में बुधवार रात जमकर बवाल हुआ। मुस्लिम समुदाय के आक्रोशित लोग पुलिस हाट की चौकी पर जमा हो गए। विवादित पोस्ट डालने वाले पर सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन में लोगों की संख्या कुछ ही देर में बहुत ज्यादा हो गई। बवाल बढ़ते देख दो थानों की पुलिस सहित थाना प्रभारी और सीएसपी मौके पर पहुंच गए। समाजसेवी और पुलिस के अधिकारियों की समझाइश के बाद मामले को शांत किया गया शहर काजी अहमद अली, समाज सेवी इमरान खोकर, पार्षद वसीम अली भी मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराया। पुलिस ने बताया एक अज्ञात लड़की के खिलाफ मामला दर्ज किया है और तलाश शुरू कर दी। अब यह पता करेंगे कि इंस्टाग्राम की आईडी को असल में कौन चला रहा है? रात को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार खाका,

सीएसपी अभिनव कुमार वारंगे, औद्योगिक पुलिस थाना प्रभारी राजेंद्र वर्मा धक्कामुक्की भी की गई। समझाने गए शहर काजी अहमद अली को वापस भेज दिया इसके बाद युवाओं ने कमान संभाली। धरना देने वालों की मांग की थी कि जिसने भावना आहत करने वाली पोस्ट की है उसके मकान को तोड़ा जाए। देर तक इस मांग को लेकर नारेबाजी चलती रही। पुलिस के समझाने का असर भी नजर नहीं आया। एक बार तो पुलिस चौकी में अंदर तक जाने का प्रयास हुआ, हालांकि सीएसपी वारंगे, टीआई अनुराग यादव व शहर काजी अली के संयुक्क्त प्रयास के बाद युवा रोड पर ही प्रदर्शन को राजी हो गए। इसके बाद पुलिस ने एफआईआर की। इसके बाद भी कोई सुनने को तैयार नहीं हुआ और नारेबाजी चलती रही। बाद में समाजसेवी इमरान खोकर, पार्षद वसीम अली ने पुलिस की गाड़ी पर चढ़कर सभी को संबोधन दिया व चक्काजाम समाप्त करने के लिए राजी किया वही, एडिशनल एसपी राकेश खाखा ने बताया कि सोशल मीडिया पर किसी ने आपत्तिजनक पोस्ट डाली थी जिस पर एक समुदाय के लोग नाराज होकर शिकायत दर्ज कराने आए थे हमने लोगों को आश्वासन दिया और विवादित पोस्ट डालने वाले पर मामला दर्ज किया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने पाकिस्तान की नेशनल असेंबली को किया भंग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सलाह पर नेशनल असेंबली को उसके पांच साल के कार्यकाल के पूरा होने से तीन दिन पहले भंग कर दिया है। डॉन समाचार पत्र की आज जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि बुधवार आधी रात से ठीक पहले राष्ट्पति कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा, राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने प्रधानमंत्री की सलाह पर अनुच्छेद 58(1) के तहत नेशनल असेंबली को भंग कर दिया है। इसके अनुमोदन के बाद संघीय मंत्रिमंडल भी भंग हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री अब्दुल कुद्दूस बिज़ेंजो ने उन रिपोर्टों का खंडन किया कि जिसमें कहा गया है कि गवर्नर मलिक अब्दुल वली काकर ने उन्हें प्रांतीय विधानसभा को भंग करने के लिए सार भेजा है। बिजेंजो ने बुधवार देर रात इस्लामाबाद से फोन पर डॉन समाचार पत्र को बताया, मैं बलूचिस्तान विधानसभा को भंग करने की सलाह भेजने की जल्दी में नहीं हूं। हालांकि उन्होंने कहा कि वह 12 अगस्त (शनिवार) को एक सार पर हस्ताक्षर कर सकते हैं।

50 लाख टन गेहूं और 25 लाख टन चावल और बेचेगी सरकार, बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण को लेकर फैसला

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कीमतों पर नियंत्रण के लिए 50 लाख टन गेहूं व 25 लाख टन चावल और बेचने का फैसला लिया है। सरकार की ओर से कहा गया कि चावल और गेहूं की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और इनकी बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने को लेकर यह कदम उठाया गया है। केंद्रीय पूल से खुले बाजार में 50 लाख टन गेहूं और 25 लाख टन चावल की और बिक्री की जाएगी। चावल खरीदारों की संख्या कम होने के बीच सरकार ने खुले बाजार बिक्री योजना के तहत चावल का आरक्षित मूल्य घटाया है। 2 रुपये प्रति किलोग्राम की कमी के साथ नई कीमत 29 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। गेहूं आयात शुल्क में कटौती की संभावना पर सरकार ने कहा कि वह भविष्य में जरूरत के आधार पर कदम उठाएगी, क्योंकि चीजें गतिशील और विकसित हो रही हैं। सरकारी स्वामित्व वाली भारतीय खाद्य निगम 28 जून से ई-नीलामी के जरिए थोक खरीदारों जैसे आटा मिलों और छोटे व्यापारियों को केंद्रीय पूल से गेहूं-चावल बेच रही है। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा, दो

वस्तुओं की कीमतें पिछले कुछ महीनों से खबरों में हैं, क्योंकि हम इन अनाजों की कीमतों में बढ़त की प्रवृत्ति देख रहे हैं। OMSS के तहत गेहूं का उठाव अब तक अच्छा रहा है। हालांकि, पिछली दो-तीन नीलामियों में गेहूं की भारित औसत कीमत बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि चावल में ज्यादा उठाव नहीं हुआ है।

आरक्षित मूल्य में बदलाव से बेहतर नतीजे–चोपड़ा ने कहा कि सरकार को लगा कि चावल के आरक्षित मूल्य में बदलाव से बेहतर परिणाम आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने ओएमएसएस के जरिए 50 लाख टन गेहूं और 25 लाख टन चावल खुले बाजार में लाने का फैसला किया है। यह 28 जून को ओएमएसएस के तहत घोषित 15 लाख टन गेहूं और 5 लाख टन चावल की बिक्री के अतिरिक्त है। इसके अलावा, सचिव ने कहा कि सरकार ने चावल का आरक्षित मूल्य 2 रुपये प्रति किलोग्राम घटाकर 31 रुपये प्रति किलोग्राम से 29 रुपये प्रति किलोग्राम कर दिया है। हालांकि, गेहूं का आरक्षित मूल्य अपरिवर्तित रखा गया है क्योंकि ओएमएसएस के तहत व्यापारियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने कहा कि ओएमएसएस के तहत अब तक लगभग 7-8 लाख टन गेहूं की नीलामी की गई है, जबकि चावल की बिक्री बहुत कम है।

बाजार में उपलब्धता में सुधार की उम्मीद- खाद्य सचिव–खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि सरकार उम्मीद कर रही है कि इन उपायों से न केवल बाजार में उपलब्धता में सुधार होगा, बल्कि कीमतों को कम करने और खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, अगले कुछ हफ्तों में प्रतिक्रिया के आधार पर हम उनमें बदलाव करते रहेंगे। अंतिम उद्देश्य खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखना है। जरूरत पड़ने पर अधिक आक्रामक नीलामी करने के लिए सरकार के पास पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। गेहूं आयात शुल्क में कटौती की संभावना पर सचिव ने कहा, अभी हमने ये कदम उठाए हैं। ये गतिशील और विकासशील हैं। भविष्य में आवश्यकताओं के आधार पर हम कदम उठाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र यह सुनिश्चित करने के लिए राज्यों के साथ काम कर रहा है कि गेहूं में स्टॉक सीमा का उल्लंघन न हो।

अंग्रेज भी नहीं खोज पाए थे इस महल की सुरंग, क्रांति-कारियों का लगता यहां था जामवाड़ा

मेरठ। यूं तो 1857 में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन का उद्गम स्थल ही मेरठ था लेकिन इसके अलावा भी मेरठ और इसके आसपास कई ऐसे स्थान हैं जो क्रांतिकारियों की गतिविधियों के प्रमुख केंद्र थे। इनमें मेरठ में गढ़ रोड स्थित गांधी आश्रम, मेरठ कालेज, गुरुकुल डोरली, हस्तिनापुर का राजा रघुनाथ महल प्रमुख है। इन स्थलों से क्रांतिकारी आंदोलन की रणनीति तैयार करते थे और गतिविधियों को अंजाम देते थे।

गांधी आश्रम में रहते थे क्रांतिकारी–इतिहासकार प्रोफेसर डॉ. केके शर्मा बताते हैं कि गढ़ रोड स्थित गांधी आश्रम क्रांतिकारियों की गतिविधियों का प्रमुख केंद्र था। यहीं पर क्रांतिकारी रहते थे और अपनी गतिविधियों को अंजाम देते थे। महात्मा गांधी भी यहां आए थे। चौधरी रघुवीर नारायण सिंह त्यागी ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान मेरठ में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कांग्रेस के 1946 के अधिवेशन की उन्होंने अध्यक्षता भी की थी। उनके चाचा ने भी कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन में सक्रिय भूमिका निभाई थी। उन्होंने मेरठ में गढ़ रोड स्थित गांधी आश्रम की जमीन खरीदी, जिसे डोनेशन में दिया। मेरठ कॉलेज से चंद कदमों की दूरी पर कचहरी के समीप त्यागी हॉस्टल भी उन्हीं की देन है।

डोरली गुरुकुल पर अंग्रेजों ने लगा दिया था प्रतिबंध–इतिहासकार प्रोफेसर डॉ. नवीन गुप्ता एवं डॉ. प्रोफेसर देवेश शर्मा बताते है कि मेरठ का गुरुकुल डोरली आश्रम आजादी के आंदोलन में

प्रमुख क्रांतिकारी नेताओं का केंद्र था। यहां महर्षि दयानंद सात बार आए थे। महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री भी पहुंचे थे। आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों को गुरुकुल डोरली खटकने लगा था। आंदोलनकारियों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए ब्रिटिश सरकार ने गुरुकुल डोरली को प्रतिबंधित कर दिया था। इसकी स्थापना का श्रेय अलगूराय शास्त्री और पल्हैड़ा गांव के जमींदार पंडित शिवदयालू एवं डोरली के एक अन्य जमींदार को जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह डोरली प्रबंध समिति के 1924 से 1954 के बीच अध्यक्ष रहे।

आजादी के आंदोलन के गवाह है मेरठ कॉलेज का बरगद का पेड़-मेरठ कॉलेज भी क्रांतिकारियों की गतिविधियों के प्रमुख केंद्रों में से एक था। यहां लगा बरगद का पेड़ 1942 के आंदोलन का गवाह है। मेरठ में क्रांतिकारियों और आजादी के आंदोलन पर शोध करने वाले डॉ. मनोज कुमार गौतम बताते हैं कि यह पेड़ महात्मा नारायण स्वामी ने लगाया था। इसी बरगद के पेड़ के पास 196 घंटे तक यज्ञ व धरना चला था। इतिहासकार बताते हैं कि 1942 के आंदोलन में पूरे देश में सबसे ज्यादा गिरफ्तारी भी मेरठ में हुई। आंदोलन की बागडोर संभालने में प्रकाशवती सूद, द्रोपदी देव वैद्य, चारुशिला और डॉ. विमला का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रघुनाथ महल की रहस्यमयी गुफा नहीं खोज पाए थे फिरंगी -राजा रघुनाथ नायक के इस महल में रहकर कई क्रांतिकारियों ने देश को आजाद कराने में मुख्य भुमिका निभाई। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में झांसी की रानी के मामा रघुनाथ नायक फौजी क्रांति के बाद यहां आकर छिपे थे। उन्होंने ही इस महल का निर्माण कराया था। महल में ऐसी दो गुफाएं हैं, जिसमें एक साथ 50 लोग बैठ सकते हैं। वर्ष 1919 में स्वतंत्रता सेनानी और महान संत सुमेर सिंह काली कमली वालों ने इस इमारत की कमान संभाली। इस गुरुकुल में देशभक्ति की भावना कूट-कूटकर भरी जाती थी। 1939 में काली कमली वालों के ब्रह्मलीन हो जाने के बाद शिष्य ब्रह्मचारी डॉ. स्वामी महंत उर्फ रामकिशन को महल का संचालक नियुक्त किया गया। संन्यासी जीवन व्यतीत करते हुए स्वामी जी आजादी की लड़ाई मे कूद पड़े। वह ब्रिटिश हुकूमत द्वारा गिरफ्तार कर लिये गये। उन्हें आन्ध्र प्रदेश की उस्मानाबाद जेल मे बंद कर दिया गया। इसी दौर में लाल बहादुर शास्त्री भी तीन माह स्वामी जी के साथ रहे। स्वामी जी हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, उर्दू एवं पंजाबी समेत सात भाषाओं का ज्ञान रखते थे। वेदों के प्रचार हेतु उन्होंने देशभर में हिन्दुत्व की पताका लहराई।

नए जिलों का गठन कर गहलोत ने खेला मास्टर स्ट्रोक

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में नए जिलों का गठन निश्चित तौर पर प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। वर्तमान में राजस्थान का क्षेत्रफल 342239 वर्ग किलोमीटर है। जो भारत के कुल क्षेत्रफल का 10.4 प्रतिशत है। जनसंख्या की दृष्टि से राजस्थान का सातवां प्रदेश है। राजस्थान की पाकिस्तान के साथ करीब 1070 किलोमीटर अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है। इस कारण राजस्थान सामरिक दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण प्रदेश है।

राजस्थान में 19 नए जिलों का गठन कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की राजनीति में मास्टर स्ट्रोक खेला है। वर्षों से राजस्थान में नए जिलों के गठन की मांग की जा रही थीं। मगर किसी भी सरकार ने नए जिलों के गठन का जोखिम उठाना मुनासिब नहीं समझा था। चुनावी साल में एक साथ 19 नए जिले व तीन नए संभाग बनाकर अशोक गहलोत ने प्रदेश की जनता को बहुत बड़ा तोहफा दिया है। इससे आम आदमी की प्रशासन तक पहुंच आसान होगी और उनके सरकारी काम तेजी से निष्पादित होंगे। नए जिलों के गठन से गहलोत को राजनीतिक रूप से भी बड़ा लाभ मिलने वाला है। राजस्थान में अभी तक कुल 33 जिले ही थे। जबकि क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। राजस्थान से क्षेत्रफल व आबादी में छोटे कई प्रदेशों में जिलों की संख्या राजस्थान से अधिक थी। गहलोत ने नए जिलों का गठन कर भौगोलिक दृष्टि से भी प्रदेश में प्रशासन व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त करने का काम किया है।

राजस्थान का गठन 1 नवंबर 1956 को हुआ था। उस समय प्रदेश में कुल 26 जिले थे। उसके 26 साल बाद 15 अप्रैल 1982 को भरतपुर से अलग होकर धौलपुर को प्रदेश का 27 वां जिला बनाया गया था। 10 अप्रैल 1991 को कोटा से अलग होकर बारां को, जयपुर से अलग होकर दौसा को व उदयपुर से अलग होकर राजसमंद को एक साथ तीन नए जिले बनाए गए थे। उस समय राजस्थान में जिलों की संख्या बढ़कर 30 हो गई थी। 12 जुलाई 1994 को श्री गंगानगर से अलग होकर हनुमानगढ़ को 31 वां जिला बनाया गया था। 19 जुलाई 1997 को सवाई माधोपुर से अलग होकर करौली को 32 वां जिला बनाया गया था। 26 जनवरी 2008 को प्रतापगढ़ को प्रदेश का 33 वां जिला बनाया गया था।

उसके 15 साल बाद प्रदेश में एक साथ 19 नए जिलों का गठन एक नया इतिहास रचा गया है। जहां पिछले 72 वर्षों में प्रदेश में मात्र 7 नए जिलों का ही गठन हो पाया था। वहीं एक साथ 19 नए जिले बनाए गए हैं। जो अपने आप में एक नया रिकॉर्ड भी है। देश में अब उत्तर प्रदेश में 75 व मध्य प्रदेश में 52 जिलों के बाद तीसरे स्थान पर राजस्थान में 50 जिले हो गए हैं।

राजस्थान में अनूपगढ़, बालोतरा, ब्यावर, डीग, डीडवाना-कुचामन, दूदू, गंगापुर सिटी, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, केकड़ी, कोटपूतली-बहरोड, खैरथल, नीमकाथाना, सलूंबर, सांचौर और शाहपुरा को नया जिला बनाया गया है। वही सीकर, पाली व बांसवाड़ा को नया संभाग बनाया गया है। अब राजस्थान में संभाग की संख्या भी 7 से बढ़कर 10 हो गई है। राजस्थान में जैसलमेर सबसे बड़ा जिला व दूदू सबसे छोटा जिला बन गया है। राजस्थान में 19 नए जिलों के गठन के कारण 18 पुराने जिलों की भौगोलिक सीमा भी बदल गई है।

राजस्थान में 2 महीने के बाद विधानसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता लग जाएगी। उससे पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार नई-नई योजनाओं को लांच कर नए कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण कर रहे हैं। प्रदेश में उन सभी परिवारों को विशेष राशन किट प्रदान किया जाएगा जो अभी तक राशन की दुकानों से निशुल्क गेहूं प्राप्त कर रहे हैं। इस योजना का शुभारंभ आगामी 15 अगस्त से हो जाएगा। इसी तरह आगामी रक्षाबंधन से प्रदेश में महिलाओं को निशुल्क मोबाइल फोन वितरण का कार्य भी प्रारंभ हो जाएगा। जिन परिवारों को उज्जवला गैस कनेक्शन मिला हुआ है उन के गैस सब्सिडी की राशि मुख्यमंत्री ने उपभोक्ताओं के खाते में डाल दी है। जिससे उन परिवारों को महंगाई से राहत मिल सकेगी।

राजनीतिक रूप से भी मुख्यमंत्री गहलोत अधिकांश आयोग, निगम, बोर्ड का गठन कर चुके हैं। जिन सरकारी संस्थाओं में गैर सरकारी लोगों की नियुक्तियां की जानी है उसकी प्रक्रिया भी चल रही है। मुख्यमंत्री गहलोत ने हाल ही में 20 जिलों की जिला स्तरीय 20 सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति में उपाध्यक्षों की नियुक्तियां की है। इसी तरह प्रदेश की सभी 200 विधानसभा सीटों पर वरिष्ठ कांग्रेसी जनों को पर्यवेक्षक लगा दिया गया है। जो उन विधानसभा क्षेत्रों में जाकर वहां के सभी कांग्रेस जनों को एक सूत्र में बांधकर पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में वोट डलवाने का काम करेगें।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के दोनों पैर के अंगूठे पर चोट लगी हुई है तथा पिछले 2 महीनों से वह घर पर ही रह कर काम कर रहे हैं। पैर में चोट लगी होने के उपरांत भी मुख्यमंत्री पूरी तरह से सक्रिय बने हुए हैं। मुख्यमंत्री अपने सरकारी आवास पर ही कैबिनेट की मीटिंग कर विभिन्न योजनाओं का अनुमोदन कर उन्हें क्रियान्वयन करवा रहे हैं। प्रदेश में बड़े स्तर पर शहरी ओलंपिक खेलों का आयोजन प्रारंभ हो चुका है। जिनमें पूरे प्रदेश में लाखों लोग भाग ले रहे हैं।

प्रदेश में बनाए गए नए जिलों में पहले ही आईएएस और आईपीएस अफसरों को ओएसडी लगाया गया था। अब नए जिलों का नोटिफिकेशन जारी होते ही उनका पद कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक का हो गया है। नए बनाए गए सभी जिलों में शीघ्र ही जिला स्तर के कार्यालय प्रारंभ किए जाएंगे। नए जिला बनने वाले क्षेत्रों में हजारों नए सरकारी कर्मचारियों की नियुक्तियां होगी। कई दर्जन जिला स्तरीय सरकारी कार्यालय खुलने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रदेश में अभी और नए जिलों के गठन की मांग उठा रही है। इसको लेकर कई जगह धरने प्रदर्शन भी किए गए हैं। राजस्व मंत्री रामलाल जाट का कहना है कि राजस्थान में और नए जिले बनाए जाने की आवश्यकता है। इस बाबत उन्होंने मुख्यमंत्री से चर्चा भी की है। आने वाले समय में राजस्थान में और कई नए जिले बन सकते हैं।

राजस्थान में नए जिलों का गठन निश्चित तौर पर प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। वर्तमान में राजस्थान का क्षेत्रफल 342239 वर्ग किलोमीटर है। जो भारत के कुल क्षेत्रफल का 10.4 प्रतिशत है। जनसंख्या की दृष्टि से राजस्थान देश का सातवां प्रदेश है। राजस्थान की पाकिस्तान के साथ करीब 1070 किलोमीटर अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है। इस कारण राजस्थान सामरिक दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण प्रदेश है। यहां के सीमावर्ती क्षेत्रों में यदि और नये जिलों का गठन होता है तो राष्ट्र की सुरक्षा की दृष्टि से भी सही होगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजनीतिक लाभ हानि की परवाह किए बगैर नए जिलों का गठन कर एक ऐतिहासिक पहल की है। जिसका लाभ प्रदेश की जनता को हमेशा मिलता रहेगा।

संपादकीय

सराहनीय कदम

महिलाओं व लड़कियों व बच्चियों से छेड़छाड़.करने वालों को अब राजस्थान में सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। राज्य सरकार ने फैसला किया है कि दुष्कर्म के प्रयास करने वालों, दुष्कर्म के आरोपितों एवं मनचलों को सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। इनके चरित्र प्रमाणपत्र में इसका उल्लेख कर दिया जाएगा। हिस्ट्रीशीटरों की तरह इन मनचलों का भी पुलिस थानों में रिकॉर्ड.रखा जाएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अधिकारियों से कहा कि महिलाओं और कमजोर वर्ग के खिलाफ अपराधों को रोकना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आदतन छेड़छाड़.करने वालों का अलग से रिकार्ड.रखा जाना जरूरी है। आरपीएससी व कर्मचारी चयन बोर्ड.को यह डेटाबेस दिया जाएगा जिससे उनका आवेदन तुरंत रिजेक्ट हो जाए। गहलोत ने ये आदेश ऐसे वक्त पर दिया है, जब राज्य से महिलाओं के खिलाफ व्यभिचार की वारदात लगातार बढ़ रही हैं। नन्हीं बच्चियों के रेप थम नहीं रहे। भीलवाड़ा में पांच साल की मासूम को रेप के बाद जिंदा जलाए जाने वाली घटना ने देश भर को झकझोर दिया है। नैशनल क्राइम रिकार्ड.ब्यूरो के अनुसार देश भर में हर रोज 80 से 90 बलात्कार होते हैं। सख्त नियमों व कड़े.कानूनों के बावजूद इन पर कोई रोक नहीं लग रही बल्कि साल दर साल इन अपराधों में बढ़ोतरी होती जा रही है। ऐसे में राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे प्रशासन को मुस्तैद करें और उनकी जवाबदेही तय करें। हालांकि जब मुख्यमंत्री अधिकारियों को स्त्रियों व कमजोर वर्ग के खिलाफ अपराधों पर लगाम लगाने की बात कर रहे हैं तो बाकी की जनता को क्यों छोड़.दे रहे हैं। बुजुर्गों, पुरोषों समेत अन्य सभी लोगों के खिलाफ भी अपराधों को रोकने में सरकारें असफल ही हैं। समाज को पूर्ण रूप से अपराधमुक्त बनाना निश्चित तौर पर नामुमकिन है। मगर इस दिशा में सार्थक प्रयास लगातार होते रहने चाहिए। किसी भी राज्य की यह जिम्मेदारी है कि जनता को पूर्ण रूप से सुरक्षा प्रदान करे। इस लिहाजन यह कदम स्वागतयोग्य है। अपने समाज में सरकारी नौकरियों के प्रति अभी भी गजब का आकर्षण है। इसलिए नौकरी मिलने पर लगी पाबंदी उनको भयभीत करने का काम करेगी। दरअसल, सड़कों, गलियों तथा सार्वजनिक स्थलों पर बेरोजगार युवकों का जमावड़ा लगा रहता है जो आती-जाती महिलाओं/बच्चियों पर फब्तियां कसते हैं। अश्लील इशारे व गंदी हरकतें करते हैं। इन सबसे बचने के लिए इस तरह की सख्ती बेहद जरूरी है ताकि कुछ सुधार आता रहे।

चिंतन-मनन

उपयोगी हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था।एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया। उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पत्थर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली।

उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बबार्दी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया। यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमानी नहीं है। दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे हल निकाले जा सकते हैं।

(हाय... हाय... ये राजनीति) अविश्वास भरा राहुल का हवाई चुम्बन...!

ओम प्रकाश मेहता

आजकल की राजनीति की दशा और दिशा क्या है यह स्वयं राजनेता भी नहीं जानते, वे सिर्फ इतना जानते हैं की कुर्सी के लिए जो भी करना पड़े, कितना भी नीचे गिरना पड़े... उन्हें कबूल है। आज की राजनीति ना अपनों को जानती है और ना परायो को... वह जानती है सिर्फ कुर्सी को... उसे हासिल करने के लिए जो भी करना पड़े उस सबके लिए तैयार है, आज के राजनेता और देश के आम वोटर की चुपचाप यह सब देखते रहने की मजबूरी है, क्योंकि उनके सुख-दुख की डोर इन्हीं नेताओं से बंधी है।

आज राजनीति में नितें नये नाटक हो रहे हैं, इसका सबसे तरोताजा उदाहरण पिछले बुधवार को लोकसभा में उपस्थित किया गया वह परिदृश्य है, जिसमें कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी संसद से प्रस्थान करते समय हवाई चुंबन (फ्लाइंग किस) देते नजर आते हैं, उस समय पूर्व अभिनेत्री और मौजूदा केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी सदन में आक्रामक लहजे में अपनी बात रख रही थी, राहुल ने अपना आक्रोश व आरोपों से भरा 1 घंटे का भाषण प्रस्तुत किया और उसके तत्काल बाद वे अपनी सीट से उठकर बाहर जाने लगे, इसी दौरान सदन की 22 महिला भाजपा सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से लिखित में शिकायत की कि राहुल ने उनकी ओर फ्लाइंग किस किया। यद्यपि इस संबंध में तो लोकसभाध्यक्ष की कोई कार्यवाही या प्रतिक्रिया फिलहाल सामने नहीं आई है, वे सीसीटीवी फुटेज देखकर कार्यवाही तय करेंगे, किंतु यदि राहुल ने ऐसा कुछ किया है तो यह स्वयं उनके वह उनकी राजनीति के लिए शर्मनाक है।

वैसे भी आजकल संसद को तो टाइम पास और मनोरंजन का मुख्यालय बना दिया गया है, हमारे राजनीतिक कर्णधारो को देश, देशवासी व उनकी समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं है, उन्हें बस पैसा अर्जित करना वह अपनी स्वार्थी राजनीति करना है। उन्होंने देश व देशवासियों को भगवान के भरोसे छोड़ दिया है, उन्हें 5 साल में सिर्फ एक बार मजबूरीवस देशवासियों के सामने वोट की भीख मांगने जाना पड़ता है, उसे समय अनुसार साध लेते हैं और फिर 5 साल के लिए बेफिक्र हो जाते हैं।

यह तो हुई आज के राजनेताओं की बात अब यदि हम देशवासी याने आम वोटर की बात करें तो मेरी नजर में आज की इस स्थिति के लिए सिर्फ और सिर्फ देशवासी या आम वोटर ही जिम्मेदार है, जो पिछले 75 साल में भी सच्चा व राष्ट्रभक्त देशवासी नहीं बन पाया, वह यदि चाहता तो देश की मौजूदा स्थिति को कभी का सही पटरी पर ले आता, लेकिन ऐसा नहीं किया गया, यह इसलिए भी नहीं हो पाया क्योंकि आज के राजनेताओं ने उसे अपनी निजी समस्याओं में इतना उलझा दिया कि उसे देश, दुनिया व राजनेताओं के बारे में सोचने और सही कदम उठाने की फुर्सत ही नहीं मिल पाई। अब इसे और कुछ नहीं सिर्फ हमारे देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा।

अब तो देश के राष्ट्र भक्तों व बुद्धिजीवियों को इसी बात की मुख्य चिंता है कि यदि देश की यही दशा व दिशा रही तो यह देश किधर जाएगा और इसका भविष्य क्या होगा? क्या हमें फिर हमें इन्हीं कांटो भरे रास्ते से गुजरने को मजबूर होना पड़ेगा, जिससे हमें 75 साल पहले मुक्ति दिलाई गई थी? देश के विचारक और बुद्धिजीवी इस प्रश्न का उत्तर खोज नहीं पा रहे हैं और देश... वह तो निरंतर इसी दुर्गम पथ पर आगे बढ़ रहा है। हमारी त्रासदी यही है कि हम पथभ्रष्ट हो चुके हैं और हमें अब गांधी-नेहरू की तरह कोई सही राह दिखाने वाला नहीं है, आज हम खुद अपने भविष्य के बारे में कल्पना कर सिहर उठते हैं, क्या अब भी देश की जनता या आम वोटर स्वयं के बारे में सजग नहीं होगा? या उसे किसी मार्गदर्शक की तलाश है?

रेपो दर : रिजर्व बैंक से उम्मीदें

सतीश सिंह

विकास की रफ्तार कायम रखने के लिए जरूरी है कि रेपो दर में और बढ़ोतरी नहीं की जाए, लेकिन विगत 4 महीनों तक खुदरा महंगाई के लगातार घटने के बाद जून, 2023 में खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज उछाल के चलते जून महीने में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) या खुदरा महंगाई दर 4.81 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 4.31 प्रतिशत थी।

वहीं, अप्रैल, 2023 में यह 4.7 प्रतिशत थी, जबकि मार्च में 5.66 प्रतिशत रही थी। हालांकि,जून महीने में भी खुदरा महंगाई दर रिजर्व बैंक के सहनशीलता स्तर 6 प्रतिशत से नीचे है, लेकिन इस वर्ष कई राज्यों में तेज बारिश से खरीफ की फसल के उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ा है, और आगामी महीनों में स्थिति और भी बदतर हो सकती है। अल नीनो का खतरा अभी बना हुआ है। ऐसे में खुदरा महंगाई भी बढ़ने के आसार हैं। उल्लेखनीय है कि सीपीआई बॉस्केट में लगभग आधी हिस्सेदारी खाद्य पदाथरे की होती है।

रिजर्व बैंक ने नीतिगत दरों में बढ़ोतरी करना पिछले साल मई में शुरू किया था। हालांकि, इस साल अप्रैल-जून में लगातार दो द्विमासिक मौद्रिक समीक्षाओं में रेपो दर 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखी गई थी, जिसके कारण बैंकों ने भी कर्ज दर में बदलाव नहीं किया। उम्मीद है कि 10 अगस्त को घोषित की जाने वाली रेपो दर को भी यथावत रखा जाएगा ताकि कर्ज की लागत स्थिर बनी रहे और विकास दर की तेजी बरकरार रहे, लेकिन बताना समीचीन होगा कि अप्रैल-जून महीने की द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा के समय देश में खुदरा महंगाई की स्थिति बेकाबू नहीं थी और इसी वजह से रेपो दर को यथावत रखा गया था।

रिजर्व बैंक मुख्य तौर पर रेपो दर में बढ़ोतरी करके महंगाई से लड़ने की कोशिश करता है। जब रेपो दर अधिक होती है तो बैंकों को रिजर्व बैंक से महंगी दर पर कर्ज मिलता है, जिसके कारण बैंक भी ग्राहकों को महंगी दर पर कर्ज देते हैं। इससे अर्थव्यवस्था में मुद्रा की तरलता कम हो जाती है, और लोगों की जेब में पैसे नहीं होने से वस्तुओं की मांग में कमी आती है, और वस्तु-उत्पादों की कीमत अधिक होने के कारण इनकी बिक्री में गिरावट आती है, जिससे महंगाई दर में नरमी देखी जाती है।

इसी तरह अर्थव्यवस्था में नरमी रहने पर विकासात्मक कायरे में तेजी लाने के लिए बाजार में मुद्रा की तरलता बढ़ाने की कोशिश की जाती है, और इसके लिए रेपो दर में कटौती की जाती है, ताकि बैंकों को रिजर्व बैंक से सस्ती दर पर कर्ज मिले और सस्ती दर पर कर्ज मिलने के बाद बैंक भी ग्राहकों को सस्ती दर पर कर्ज दे सकें। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास के अनुसार कोरोना महामारी, भू-राजनीतिक संकट, महंगाई, वौंकि अर्थव्यवस्था में नरमी के बावजूद बैंकिंग और गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान (एनबीएफसी) मजबूत बने हुए हैं। बैंकिंग क्षेत्र में लगातार सुधार आ रहा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून, 2023 के दौरान 12 सरकारी बैंकों का मुनाफा बढ़कर 34,774 करोड़ रु पये पर पहुंच गया जबकि भारतीय स्टेट बैंक का मुनाफा 178.24 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 16,884.29 करोड़ रु पये रहा।

वित्त वर्ष 2022-23 की अंतिम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था, लेकिन यह 6.1 प्रतिशत रहा। 2022-23 की चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर में बेहतरी आने से पूरे वित्त वर्ष की वृद्धि दर में सुधार दर्ज हुआ है। 2022-23 के दौरान एमपीसी ने पहले जीडीपी के 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था, जो वास्तविकता में 7.2 प्रतिशत रही। अभी रिजर्व बैंक का लक्ष्य विकास और महंगाई के बीच संतुलन बनाना है, ताकि आम आदमी को परेशानी न हो और विकास की रफ्तार में भी तेजी आए। इसलिए, खुदरा महंगाई में कमी लाना बेहद जरूरी है। ऐसा नहीं करने से आगामी महीनों में भारत की आर्थिक वृद्धि दर धीमी पड़ सकती है।

बता दें कि महंगाई की वजह से जीडीपी वृद्धि दर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अब फिर से खुदरा महंगाई उफान पर है। कयास लगाए जा रहे हैं कि आगामी महीनों में भारत की विकास दर नरम रह सकती है, जिससे अर्थव्यवस्था में सुस्ती आ सकती है। बेशक, रेपो दर यथावत रखने से कर्जदारों को राहत मिलेगी तो विकास की रफ्तार भी तेज होगी, लेकिन रिजर्व बैंक चाहता है कि खुदरा महंगाई पर पहले नियंतण्रकिया जाए क्योंकि इससे लंबे समय में अर्थव्यवस्था में मजबूती आती है। लिहाजा, अनुमान है कि रिजर्व बैंक 10 अगस्त को रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की बढोतरी कर सकता है, जिससे बैंक कर्ज दर में इजाफा करेंगे और कर्ज महंगा होने से उत्पादों की मांग में कमी आएगी, जिससे खुदरा महंगाई में कमी आएगी। इससे लोगों की खर्च करने की क्षमता भी कम होगी, जिसकी वजह से आधारभूत संरचना को मजबूत करने में निजी व्यय में कमी आएगी, जो पहले से ही कम है। विकास की गति कम होने से कर संग्रह में भी कमी आ सकती है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को 'सोलर एक्सप्रेस-वे' बनाएगी योगी सरकार

● सौर ऊर्जा के जरिए बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को रोशन करने की दिशा में प्रयास कर रही सरकार ● चार लेन वाले 296 किमी लंबे एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ सोलर पैनल्स लगाने की शुरू हुई तैयारी, पीपीपी मॉडल के जरिए परियोजना को दिया जाएगा मूर्त रूप ● हाइवे के मेन कैरियज वे और सर्विस लेन के बीच खाली पड़े 15 से 20 मीटर चौड़ाई वाले क्षेत्र को सोलर पैनल्स लगाकर सौर ऊर्जा से लैस किए जाने की है योजना

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने के साथ ही औद्योगिक गलियाओं और विशेषतौर पर हाइवे के रख-रखाव व सुविधाओं में वृद्धि के लिए प्रयासरत योगी सरकार अब नवीकरणीय ऊर्जा के तौर पर सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए एक अनूठी पहल करने जा रही है। दरअसल, उत्तर प्रदेश में उच्च गुणवत्ता वाले हाइवे के निर्माण और रख-रखाव के साथ ही इसे नवीकरणीय ऊर्जा से जोड़ते हुए एक खास इनोवेशन करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप, उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को सौर ऊर्जा से लैस करने की अनूठी पहल को अंजाम देने की तैयारी कर रहा है। फिलहाल, यूपीडा द्वारा एक 'एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट' का लेटर जारी किया गया है। इसके अनुसार, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को सोलर एक्सप्रेस-वे में परिवर्तित करने के लिए एक विस्तृत रूपरेखा तैयार कर ली गई है और पूरी योजना को पीपीपी मॉडल के अंतर्गत वृहद स्तर पर सोलर पैनल इंप्लांटेशन के जरिए मूर्त रूप दिया जाएगा। यूपीडा

द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, 296 किमी लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को सौर ऊर्जा चालित एक्सप्रेस-वे के तौर पर विकसित करने की कार्ययोजना पर चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) के निर्देश पर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। इसी के फलस्वरूप यूपीडा द्वारा एक 'एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट' का लेटर जारी कर इच्छुक आवेदनकताओं के आवेदन मांगे गए हैं। इसके अंतर्गत, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को सौर एक्सप्रेस-वे के तौर पर विकसित करने व सोलर पैनल्स को इंपैनल करने के लिए निजी कंपनियों से आवेदन व सुझाव मांगे हैं। इसके लिए यूपीडा द्वारा 17 अगस्त दोपहर 3 बजे तक ४स्र्ी2@ँ’.ड्ड पर इच्छुक आवेदनकर्ता अप्लाई कर सकते हैं। इन प्राप्त आवेदनों में से चयनित आवेदनकर्ता को फिर आगे प्रेजेंटेशन देने के लिए बुलाया जाएगा जिसके फाइनल होने पर सोलर पैनल लगाए जाने की प्रक्रिया की शुरूआत कर दी जाएगी। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश के सबसे आधुनिक और सुविधा संपन्न एक्सप्रेस-वे में शुमार है। ऐसे में, इसे सौर ऊर्जा से चालित कर एक नई दिशा देने की विस्तृत कार्य योजना पर काम हो रहा है। उल्लेखनीय है कि 4 लेन वाले इस 296 किमी लंबे हाइवे में मेन कैरियज वे व सर्विस लेन के तौर पर दो हिस्से हैं।

इन्हीं दोनों के बीच लगभग 15 से 20 मीटर चौड़ाई की पट्टी वाला क्षेत्रफल पूरे एक्सप्रेस-वे में फिलहाल खाली है जिसे कृषि भूमि से अलग करने व बाड़ लगाने के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। अब इसी क्षेत्र को सोलर पैनल्स से पाटने की योजना है और इससे पूरा एक्सप्रेस-वे सौर ऊर्जा से लैस एक्सप्रेस-वे की दिशा तय करने में अभूतपूर्व कदम उठा सकेगा।

बिजनौर में शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा बैठक

संवाददाता

बिजनौर। कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों, संदर्भों का समय सीमा अवधि के अन्तर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध में एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें सभी जिला स्तरीय और तहसील स्तरीय अधिकारियों की विभागावार आईजीआरएस पोर्टल शिकायतों की समीक्षा की गई। एडीएम एफआर अरविंद कुमार ने पोर्टल में प्राप्त बिजली विभाग की शिकायतों की गहनता से संज्ञान लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश। दरअसल बिजनौर कलेक्ट्रेट में एडीएम की एम राजस्व अरविंद कुमार ने डीएम के निर्देश पर आइजीआरएस पोर्टल पर मिलने वाली शिकायत के संबंध में समीक्षा बैठक की। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभागीय आईजीआरएस शिकायतों एवं संदर्भों की समीक्षा करते हुए आख्या दुरुस्त करने के निर्देश के साथ ही तत्काल अपनी अपनी रैंकिंग में सुधार करने के निर्देश दिए। जिससे जिले की रैंकिंग निर्धारित स्तर तक पहुंच सके। उन्होंने अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि जिलाधिकारी के स्पष्ट निर्देश है कि जिन अधिकारियों द्वारा आईजीआरएस शिकायतों से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण व समाधान में लापरवाही बरती जा रही है, सीधे उनके संबंध में उनके उच्च स्तरीय अधिकारियों को उनके प्रति लिखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों को कहा कि समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली पोर्टल का नित्य अवलोकन करते हुए प्रतिदिन लॉगिन करना सुनिश्चित करें। साथ ही उसमें आई शिकायतों का गुणवत्ता पूर्वक ससमय निस्तारण भी करना सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को पुनः सचेत करते हुए कहा कि कोई भी शिकायत लंबित न रहने पाये। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एवं अन्य उच्चाधिकारियों द्वारा भी प्रतिदिन आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण एवं गुणवत्ता की स्थिति की समीक्षा की जा रही है। इस संदर्भ में उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निवारण तत्काल करना सुनिश्चित करें। उसके बाद संबंधित अधिकारी शिकायतकर्ता से फोन पर संपर्क करें।

तिरंगा यात्रा का आयोजन

संवाददाता

धामपुर । विकासखंड अल्हैपुर में आजादी के 75वे अमृत महोत्सव के समापन कार्यक्रम के अवसर पर मेरी माटी ,मेरा देश अभियान के अंतर्गत विकासखंड की सभी 97 ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत के अमर शहीद वीरों के नाम से तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इसी क्रम के क्रम में ब्लॉक प्रमुख क्षमा हेमलता चौहान द्वारा विकासखंड की ग्राम पंचायत नंगली लाडन के ग्राम बगदाद अंसार में तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया गया। तिरंगा यात्रा में प्राइमरी जूनियर स्कूल के बच्चों ,अध्यापकों एवं आंगनवाडी कार्यकत्री , एवं समूह की महिलाओं तथा ग्राम वासियों द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया गया तथा देश के अमर शहीदों को देश की स्वतंत्रता दिलाने में उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद करते हुए तिरंगा यात्रा में नारे लगाए गए कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख क्षमा हेमलता चौहान द्वारा बताया गया की तिरंगा यात्रा से ग्राम पंचायत के ग्रामवासियों में राष्ट्रीय प्रेम तथा तिरंगे के प्रति देश सम्मान की भावना जागृत होगी तथा शहीद हुए वीरों को बलिदान को याद दिलाएगी तिरंगा यात्रा के समापन के बाद कम्पोजिट विद्यालय बगदाद अंसार में वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए शिलाफलकम का लोकार्पण किया ।तथा ब्लॉक प्रमुख द्वारा प्राइमरी विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी त्रिलोकचंद, खंड शिक्षा अधिकारी प्रेम सिंह, ग्राम प्रधान नसीमुद्दीन, ग्राम पंचायत सचिव वीरेंद्र कुमार, नीरज कुमार, हिमांशु चौहान, सहदेव कुमार, मोहित कुमार, दिव्यांशु कुमार, सलमान खान, कृपाल सिंह, योगराज सिंह, एनआरएलएम राजकुमार, पूनम देवी, तकनीकी सहायक पंकज कुमार, सुशील कुमार, आंगनबाड़ी कार्यकत्रिय एवं आशा फरजाना ,गजेंद्र कुमार ,सलमान मोहम्मद साबिर ,शहजाद , वैभव चौहान, खेम सिंह, पंकज कुमार, विकास कुमार, मयंक कुमार, आदि उपस्थित रहे।

बिजनौर में घर के अंदर मिला बुजुर्ग का शव

संवाददाता

बिजनौर । झालु में संदिग्ध परिस्थिति में बुजुर्ग का शव घर में पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मामले की जांच में जुट गई है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा है। पूरा मामला बिजनौर के हल्दौर थाना क्षेत्र के झालु इलाके के इस्लामाबाद का है। यहां के रहने वाले खुर्शीद (55) का शव संदिग्ध परिस्थिति में घर के अंदर पड़ा मिला। घर के सभी लोग रिश्तेदारी में गए हुए

थे। मृतक घर पर अकेला था। जब घर से कोई आवाज नहीं आई तो पड़ोसियों ने जाकर देखे तो वहां खुर्शीद का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर आसपास के काफी लोगों की भारी भीड़ मौके में जमा हो गई। खुर्शीद की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई। बताया जा रहा है कि मृतक शराब पीने का आदी था मौत किस वजह से हुई यह कारण अभी स्पष्ट नहीं है।वहीं इस मामले में सीओ सिटी अनिल सिंह का कहना है कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त डायरी

दमयंती देवी प्रेरणा संस्थान द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

संवाददाता

धामपुर । दमयंती देवी प्रेरणा संस्थान धामपुर द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। श्री शिव शंकर मंडल मंदिर ट्रस्ट के सहयोग से दमयंती देवी प्रेरणा संस्थान द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर शिव शंकर मंडल मंदिर धामपुर मे लगाया गया। निशुल्क चिकित्सा शिविर का शुभारंभ प्रशांत शर्मा ,कुलदीप शर्मा, सोमपाल सैनी ,अनिल जैन , द्वारा संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गया। चिकित्सा शिविर में धामपुर नगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ, आदित्य अग्रवाल सर्जन, डा, अनिल दास फिजिशियन द्वारा 250 मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया गया। तथा मरीजों को तीन दिन की दवाइयां निशुल्क वितरण की गई। तथा चिकित्सा शिविर में सभी जांचें नाममात्र रुपए में की गई। तथा धामपुर नगर को पॉलिथीन मुक्त करने एवं प्लास्टिक से बनी चीजों को ना इस्तेमाल करने के बारे में बताया गया। शिविर में कपड़े के सिले हुए थैले वितरण किए गए । शिविर को सफल बनाने में मोहित कुमार ,साहिल अभिषेक कुमार, अखिलेश शर्मा, राजीव कुमार,साहिल, पंकज कुमार, संकेत अग्रवाल,, सतीश वर्मा, पंकज अग्रवाल ,अनुज प्रजापति, सुनील कुमार, गौरव कुमार,आदि का योगदान सराहनीय रहा।

पहाड़ों पर हुई बारिश से कई नदियां उफान पर :तीन जगह सड़क कटने से आवागमन बंद, लोग परेशान, नदी में डूबे दो युवक

बिजनौर । उत्तराखंड के पहाड़ों पर हुई बारिश का असर अब बिजनौर जिले में देखने को मिल रहा है। बिजनौर जिले की अधिकांश नदियां तूफान पर हैं पानी के तेज बहाव के चलते कई इलाकों में पानी भर गया है, साथ ही जिले में कई जगह सड़के कट गई हैं। जिसकी वजह से हरिद्वार नजीबाबाद मार्ग और नगीना देहात कोटद्वार मार्ग सहित कई जगह आवागमन बंद हो गया है। जिससे राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, बिजनौर जिला उत्तराखंड से सटा हुआ जिला है और जब-जब उत्तराखंड में तेज बारिश होती है तो बिजनौर जिले से होकर गुजरने वाली आधा दर्जन से ज्यादा नदियां तूफान पर आ जाती हैं, जिसके चलते बिजनौर जिले के अधिकांश इलाके में रहने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उत्तराखंड में हो रही बारिश का असर बिजनौर जिले में देखने को मिला बिजनौर के अफजलगढ़ से लेकर नांगल इलाके तक कई जगह पानी ही पानी नजर आया है। बिजनौर जिले की गंगा, मालन, कोटावली, खो,नदी सहित कई नदियों में इस समय तेज बहाव चल रहा है। जिसके चलते नजीबाबाद इलाके की कछियाना बस्ती ब्रह्मपुरा में पानी भर गया है। लोगों के घर में पानी भरने से उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शेरकोट इलाके से होकर गुजरने वाली खो नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिसके चलते नगीना देहात बढ़ापुर मार्ग पर नदी का पुल की संपर्क कट गई है। मार्ग पर आवागमन बंद हो गया है । साथ ही सुखरो नदी के पुल की भी संपर्क सड़क कट गई है जिसके चलते नगीना से कोटद्वार जाने वाले रोड को बंद कर दिया गया है। मालन नदी के रपटे पर पानी आने की वजह से रपटा टूट गया है, जिसकी वजह से नजीबाबाद से हरिद्वार जाने वाले हाइवे को बंद कर दिया गया है ।मालन नदी के पानी के तेज बहाव के चलते बढ़िया जट्टी वाला मार्ग पर बने पुल की संपर्क मार्ग धंस गई है जिस मार्ग पर वाहनों का आगमन बंद कर दिया गया है। नदी में तेज बहाव में दो युवक एक अफजलगढ और एक रेहड़ में नदी में डूब गए हैं जो नदी से लकड़ी निकालने गए थे। पैर फिसलने के चलते दोनों युवक नदी में डूब गए हैं दोनों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है । नदियों के उफान के चलते जिला प्रशासन ने बाढ़ चौकियों को अलर्ट कर दिया है खुद जिले के अफसरो ने मौका मुआयना कर अधिकारियों और कर्मचारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिया है।

बिजनौर से कर्मचारी दिल्ली के लिए रवाना

संवाददता

बिजनौर । पुरानी पेंशन संयुक्त मंच के आह्वान पर रामलीला मैदान नई दिल्ली में होने वाली पुरानी पेंशन की मांग को लेकर महा रैली में शामिल होने के लिए बिजनौर जिले से 17 बसों और 42 कारों से भारी संख्या में कर्मचारी एवं शिक्षक संगठनों के लोग दिल्ली के लिए रवाना हुए। दरअसल पुरानी पेंशन की मांग को लेकर कर्मचारी पिछले काफी दिनों से मांग कर रहे हैं, जिसको लेकर दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली रैली में गुरुवार को सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी बिजनौर से रैली में शामिल होने के लिए बसों और कारों में सवार होकर रवाना हुए। रैली में अधीनस्थ कृषि सेवा संघ, पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ, डिप्लोमा इंजीनियर संघ, सिंचाई संघ, ट्यूबवेल टेक्निकल एंप्लाइज एसोसिएशन, मिनिस्टीरियल एजुकेशनल ऑफिसर्स एसोसिएशन, आईटीआई कर्मचारी संघ, डिप्लोमा इंजीनियर संघ पीडब्लूडी, विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन, जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ प्राथमिक शिक्षक संघ, माध्यमिक शिक्षक संघ, ग्राम विकास अधिकारी संघ ,ग्राम पंचायत अधिकारी संघ, लेखा एवं लेखा परीक्षा सेवा संगठन, सिंचाई संघ सिंचाई विभाग व अन्य संगठन के कर्मचारी एवं शिक्षक पेंशन महारैली में शामिल होने के लिए रवाना हुए। रैली में देशराज सिंह जिला संयोजक, नौबहार सिंह सुधीर कुमार यादव क्रांति कुमार शर्मा, शूरवीर सिंह, मोहित त्यागी, गोपाल सिंह, गौतम भंवर सिंह, जयप्रकाश सिंह पाल, सोमदेव सिंह सुधाराज सिंह वैभव प्रताप सिंह, अनुज कुमार, आर के तरानिया, अखिलेश कुमार, विकास सैनी, नरेन्द्र सिंह अजहर जमाल, आदेशपाल सिंह, विनोद कुमार, मदनपाल, सतवीर सिंह, अबरार चौधरी, अनिल कुमार, जयप्रकाश, आशुतोष उपाध्याय, रामप्रसाद, लखबीर सिंह, डॉक्टर विकास कुमार, शिवकुमार, कमल कुमार, आशीष कुमार, कृष्ण कुमार मौजूद रहे।

योगी सरकार की बड़ी उपलब्धि, अमृत काल में जगमगाया गोंडा का वनटांगिया गांव

● गोण्डा के रामगढ़ वनटांगिया गांव तक पहुंची बिजली, आजादी के 75 वर्षों बाद पहली बार रोशन हुआ अंधेरे में डूबा गांव ● सीएम योगी की मंशा के अनुरूप बदल रहा है गोण्डा के वनटांगिया समुदाय का जीवन ● पहले सड़क और अब बिजली पहुंचने से खिले गांववासियों के चेहरे ● सीएम योगी के पिछड़े व अति पिछड़े समाज को पहचान दिलाने की मुहिम के तहत जीवनस्तर सुधारने के हो रहे प्रयास ● जिला प्रशासन की पहल पर वनटांगिया गांवों में स्कूल और सड़क निर्माण का काम हो चुका है शुरू

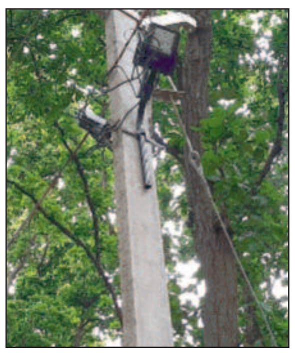

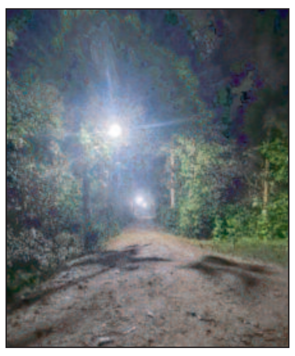

संवाददाता

गोण्डा । प्रदेश के पिछड़े और अति पिछड़े समाज को पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुहिम को बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई है। देश की आजादी के अमृत काल में अब गोण्डा के जंगलों में बसने वाले वनटांगिया समुदाय का जीवन भी रोशन हो उठा है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप गोण्डा जिला प्रशासन की पहल पर रामगढ़ वनटांगिया गांव तक बिजली पहुंच पाई है। आजादी के करीब 75 वर्षों बाद अब उनके गांव की ओर जाने वाले रास्ते भी दूधिया रोशनी से जगमगा उठे हैं। गोण्डा की जिलाधिकारी नेहा शर्मा द्वारा वन विभाग अप्रोच सड़क से रामगढ़ वनटांगिया गांव तक के मार्ग को रोशन किया गया। गोण्डा की हरदवा ग्राम पंचायत में रामगढ़ वनटांगिया गांव है। आजादी के करीब 75 वर्ष बाद भी यह गांव विकास की मुख्यधारा से कटा हुआ था। समाज के पिछड़े और अति पिछड़े वर्गों का विकास योगी सरकार की प्राथमिकता रही है। सीएम की मंशा के अनुरूप जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बीती 12 जून को जनपद की कमान संभालने के साथ ही वनटांगिया समुदाय को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की कवायद शुरू कर दी। उन्होंने स्वयं 16 जून को रामगढ़ वनटांगिया गांव का निरीक्षण किया और विकास की रणनीति तैयार की। एक ओर जहां, वनटांगिया समुदाय के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए गांवों में दो सरकारी स्कूल स्थापित करने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है तो वहीं, गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने की पहल की गई। अब गांव को रोशन भी किया जा रहा है।

इसका काम मंगलवार को शुरू किया गया। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बताया कि लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर समुदाय तक पहुंचाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। जिला प्रशासन इसके लिए प्रतिबद्ध है। जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान ग्राम वासियों की ओर से बिजली न होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसको प्राथमिकता से लिया गया। मंगलवार को गांव के मुख्य मार्ग पर खंभे और लाइट लगाने का काम शुरू भी कर दिया गया। पहली बार गांव में दुधिया रोशनी देख गांव वालों के चेहरे खिल उठे। बच्चे हो या बुजुर्ग सभी के चेहरों पर एक अलग सी खुशी देखने को मिली। बुजुर्ग महिला फूलादेवी (52 वर्ष) ने कहा, पहले अंधेरा रहता था। शाम के समय आना जाना संभव ही नहीं था, क्योंकि अंधेरे में जानवरों द्वारा हमले का डर रहता था। कभी सोचा भी नहीं था कि इस तरह का बदलाव देखने को मिलेगा। हमें तो सब सुविधा हो गई। इस गांव की बेटी ममता (16 वर्ष) कहती हैं कि अब अंधेरे से निजात मिल जाएगी। गांव के संतराम (40 वर्ष) बताते हैं कि कुलदेवी का मंदिर है। नवरात्री में यहां पूजा होती है। हर साल 20 हजार रुपए सिर्फ रोशनी के लिए जनरेटर पर खर्च होते थे, लेकिन अब यह नहीं करने होंगे। वह कहते हैं कि इतने वर्षों के बाद पहली बार किसी ने उनपर ध्यान दिया है।

रामगढ़ वनटांगिया गांव को वन विभाग अप्रोच रोड से जोड़ने के लिए मार्ग निर्माण की जिम्मेदारी खण्ड विकास अधिकारी राघवेन्द्र प्रताप सिंह संभाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि सड़क का निर्माण कार्य भी अन्तिम चरण में पहुंच गया है। इंटरलॉकिंग की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। अगस्त माह के अन्त तक इस क्षेत्र में आवागमन सुलभ हो जाएगा। पूर्वांचल के वनटांगिया समुदाय का इतिहास पुराना है। इन्हें अंग्रेजों ने जंगलों में बसाया था। आजादी के 70 दशक बाद भी इनका वजूद राजस्व अभिलेखों में न होने की वजह से यह समाज और विकास की मुख्यधारा से कटे हुए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मई 2018 में गोण्डा के वनटांगिया गांवों को राजस्व ग्राम घोषित कर मुख्यधारा से जोड़ा। इससे वन क्षेत्रों में बसे इन वन ग्रामों के निवासियों को सड़क, राशन, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाओं से लाभान्वित करने की प्रक्रिया शुरू हो सकी। जलौनी लकड़ी काटकर और बेचकर पेट पालने वाले वनटंगिया के परिवार को आजादी के बाद पहली बार वोट करने का हक मिला।

कांग्रेस ने राजस्थान के लिए गठित की राजनीतिक मामले की समिति

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राजस्थान के लिए राजनीतिक मामलों की समिति का गठन किया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने पार्टी के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के नेतृत्व में 35 सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति के सभी सदस्यों से तत्काल काम शुरू करने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया समिति में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासर, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, जितेंद्र सिंह, सीपी जोशी, रामेश्वर डूडी, मोहन प्रकाश, रघु शर्मा, हरीश चौधरी, लालचंद कटारिया, महेंद्र जीत सिंह मालवीय सहित 35 प्रमुख नेता शामिल है।

भारत छोड़ो आंदोलन, काकोरी ट्रेन कार्रवाई के सेनानियों को नेताओं की श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी , गृह मंत्री अमित शाह और अन्य नेताओं ने भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले स्वतंत्रता

सेनानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने आज ही के दिन 'अंग्रेजों भारत छोड़ो'का नारा देते हुए स्वाधीनता आंदोलन का एक नया दौर प्रारंभ करने का आह्वान किया था। देश आज 'काकोरी ट्रेन कार्रवाई' की 98वीं वर्षगांठ भी मना रहा है।

न्यायमूर्ति मिश्रा ने जेएनयू के पूर्व छात्र की जमानत याचिका पर सुनवाई से अपने को अलग किया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली दंगों की साजिश रचने के आरोपी जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र उमर खालिद की जमानत याचिका पर सुनवाई टाल दी गई।

न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ से न्यायाधीश प्रशांत कुमार मिश्रा के अपने आपको अलग करने के बाद सुनवाई 17 अगस्त के लिए स्थगित कर दी गई। न्यायमूर्ति बोपन्ना ने कहा, 'कुछ समस्या है' इसकी वजह से मामले की सुनवाई एक दूसरी पीठ 17 अगस्त को करेगी। याचिकाकर्ता खालिद सितंबर 2020 से न्यायिक हिरासत में जेल में बंद है। खालिद ने अक्टूबर 2022 में दिल्ली उच्च न्यायालय से जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उसकी याचिका पर अदालत ने दिल्ली दिल्ली पुलिस को मई 2023 में नोटिस जारी किया था। इससे पहले मार्च 2022 में कड़कड़डूमा की जिला अदालत ने खालिद की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। दिल्ली पुलिस ने खालिद को सितंबर 2020 में गिरफ्तार किया था। उसे दंगों की साजिश रचने, गैरकानूनी सभा करने के अलावा गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) जैसे संगीन आरोप के तहत गिरफ्तार किया गया था।

मेट्रो पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा की कड़ी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर दिल्ली मेट्रो में यात्रियों की आवाजाही को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। मेट्रो डीसीपी जी राम गोपाल नाइक ने बताया कि मेट्रो पुलिस ने ऐसी तैयारी की है कि स्वतंत्रता दिवस पर किसी भी मेट्रो स्टेशन को बंद न करना पड़े और भारी भीड़ के बावजूद सेवा सुचारू रूप से चालू रहे। डीसीपी मेट्रो ने कहा कि मेट्रो स्टेशनों पर होने वाले आत्महत्या के मामले न हो इसके लिए दिल्ली मेट्रो ने प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर लगवाए जा रहे हैं। जिन स्टेशन पर ये डोर नहीं हैं उन पर भी प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर लगाने का अनुरोध डीएमआरसी से किया गया है।

डीसीपी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के बीच दिल्ली मेट्रो में यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। दिल्ली मेट्रो में तैनात करीब एक हजार पुलिसकर्मी हर मेट्रो स्टेशन की सुरक्षा देखेंगे। हमने स्टेशनों पर अधिक सुरक्षा कर्मचारी भी तैनात किए हैं क्योंकि उस दिन केवल मेट्रो सुविधा उपलब्ध होगी।

डीसीपी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के बीच दिल्ली मेट्रो में यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

क्योंकि बहुत सारे लोग मेट्रो सुविधा का लाभ उठाएंगे। मेट्रो पुलिस ने सीआईएसएफ और डीएमआरसी समेत अपने सभी हितधारकों के साथ समन्वय किया है। उम्मीद है कि इस साल व्यवस्थाएं अच्छी तरह से बरकरार रहेंगी। सिर्फ मेट्रो पुलिस ही नहीं, हम कुछ बाहरी बल भी लाए हैं और वे दिल्ली पुलिस और सीआईएसएफ के साथ समन्वय में काम करेंगे।

डीसीपी के अनुसार सभी स्टेशन समान तरीके से काम करेंगे और कोई भी स्टेशन बंद नहीं किया जाएगा। हालांकि जिन इलाकों में स्वतंत्रता दिवस को लेकर कोई आयोजन होने वाला है, उस इलाके के स्टेशनों पर आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी और कहीं-कहीं कड़ी सुरक्षा जांच की जाएगी। वहीं, हाल की कुछ घटनाएं जिसमें मेट्रो कोच के अंदर लोगों के अभद्र और अप्रिय इशारों और व्यवहार के बारे में कई वीडियो वायरल हुए हैं, दोबारा न हों, इसको लेकर कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने कहा कि न सिर्फ हमारी दिल्ली मेट्रो पुलिस बल्कि सीआईएसएफ स्टाफ भी हर मेट्रो स्टेशन पर सक्रिय रहेंगे और अभद्र इशारे करने वालों पर नजर रखें और उन्हें कुछ भी गलत करने से रोकें। हमारी अपील है कि यदि आप मेट्रो में ऐसी कोई गतिविधि या लोगों के अशोभनीय इशारे देखते हैं तो कृपया हमें तुरंत सूचित करें ताकि हम तुरंत कानूनी प्रक्रिया शुरू कर सकें।

संसद टीवी ने राहुल को सिर्फ चार मिनट दिखाया: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस आरोप लगाया है कि संसद टीवी ने अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में दिये गये भाषण के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मणिपुर पर बोलते हुए सिर्फ चार मिनट ही दिखाया गया है जबकि उन्होंने करीब 16 मिनट तक इस मुद्दे पर अपनी बात रखी।

कांग्रेस ने इसे सरकार का डर तथा तानाशाही करार दिया और कहा, तानाशाह कितना डरपोक है...समझिए। राहुल गांधी सदन में मणिपुर पर 15 मिनट 42 सेकंड बोले। इस दौरान संसद टीवी पर 11 मिनट 08 सेकंड तक स्पीकर ओम बिरला जी को दिखाया गया। राहुल गांधी को सिर्फ चार मिनट दिखाया गया।'

पार्टी ने कहा, 'नरेंद्र मोदी जी हिंदुस्तान की आवाज़ नहीं सुनते हैं, बल्कि 'इनकी' आवाज़ सुनते हैं। यह कहते हुए राहुल जी ने सदन में एक तस्वीर दिखाई लेकिन तब संसद टीवी का कैमरा स्पीकर ओम बिरला जी पर टिका रहा। पूरा देश जानता है ऐसा क्यों हुआ-'दोस्ती बनी रहे'।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने श्री गांधी के भाषण पर कहा, एक श्रृंखला का जिक्र करते हुए दावा किया कि स्थिति कांग्रेस शासन में भी उतनी ही खराब थीं। उनके भाषण का यह तर्क परोक्ष

'लोकसभा में राहुल गांधी का अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में जो भाषण दिया वह जोरदार रहा। स्मृति ईरानी ने श्री गांधी के भाषण को लेकर सदन में जो कुछ कहा वह पूरी तरह से पुरानी बातों पर केंद्रित रहा। उन्होंने कांग्रेस शासन के तहत कई दशकों से चली आ रही घटनाओं और अत्याचारों की रूप से सरकार की विफलताओं को लेकर विपक्ष के आरोपों का ही समर्थन करती है। जब वह यह कह रही हों कि 'तो क्या हुआ' तुम भी तो अच्छे नहीं थे। अपनी बातों में इस तरह का सहारा लेना हमेशा एक ऐसी स्वीकृति होती है जिसका आपके पास कोई ठोस जवाब नहीं होता है, स्मृति जी!÷

बसपा ने छत्तीसगढ़ की नौ सीटों पर उम्मीदवारों का किया एलान

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी(बसपा) ने छत्तीसगढ़ में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए राज्य की नौ सीटों पर अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। बसपा के छत्तीसगढ़ इकाई के अध्यक्ष हेमंत पोयाम ने देर रात उम्मीदवारों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि बसपा सुप्रीमो मायावती के आदेशानुसार नौ विधानसभा सीटों के लिए सूची जारी की गयी है।

उन्होंने बताया कि वरिष्ठ पार्टी नेता एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दाऊराम रत्नाकर मस्तूरी-सु सीट से चुनाव लड़ेंगे। इसी प्रकार ओमप्रकाश बाजपेयी (नवागढ़) , राधेश्याम सूर्यवंशी (जांजगीर-चांपा) , केशव प्रसाद चंद्रा (जैजैपुर) , श्रीमती इंदु बंजारे (पामगढ़) , डॉ विनोद शर्मा (अकलतरा) , श्याम टंडन (बिलाईगढ़) , रामकुमार सूर्यवंशी(बेलतरा) और आनंद तिग्गा (सामरी) पार्टी उम्मीदवार होंगे। उन्होंने कहा कि बसपा पहली पार्टी है , जिसने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए सबसे पहले अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। शेष सीटों के लिए भी शीघ्र ही उम्मीदवारों की सूची जारी की जायेगी।

मंहगाई के प्रति सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए पहनी थी टमाटर की माला: गुप्ता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार गुप्ता ने कहा कि महंगाई के प्रति सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए वह सदन में टमाटर की माला पहन कर आए थे।

श्री गुप्ता ने सदन की कार्यवाही को स्थगित किए जाने के बाद बाहर आने पर संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि महंगाई के प्रति सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए वह सदन में टमाटर की माला पहनकर आए थे। उन्होंने कहा कि आम आदमी के खान-पान का बजट महंगाई के कारण बिगड़ रहा है। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। सरकार देखे कि लोग किस हालत में हैं।

उन्होंने कहा, सदन में आभूषण पहनकर सदस्यों के आने के बारे में उन्हें नियम की

जानकारी नहीं है। महंगाई के कारण चीजें आभूषण के सामान हो जाती हैं। टमाटर और अदरक आम आदमी की पहुंच से बाहर है। इसका मूल्य जगह-जगह ढाई सौ से तीन सौ रुपये प्रति किलो पहुंच गया है।

श्री गुप्ता ने कहा कि टमाटर की माला पहनकर सदन में आने से सभापति जगदीप धनखड़ नाराज हुए हैं, तो वह माला उतार देंगे। उन्होंने कहा कि वह सभापति का बेहद सम्मान करते हैं।

श्री गुप्ता ने कहा कि उन्होंने पत्नी से कहकर कुछ टमाटकर और अदरक मंगवाया था। पत्नी ने इसका उदेश्य भी पूछा था, तो उन्होंने कहा कि वह इसका माला पहनकर राज्यसभा में जाएंगे। उन्होंने कहा कि पत्नी ने इस पर नाराजगी भी व्यक्त की कि इतनी महंगी वस्तु की माला पहनने की क्या जरूरत है।उल्लेखनीय है कि श्री गुप्ता आज सदन में टमाटर की माला पहनकर पहुंच गए थे, जिससे सभापति बेहद नाराज हुए और उन्होंने सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी थी। उन्होंने कहा कि सदस्यों के सदन में आचरण की एक सीमा है।

बिलकिस की दलील, 11 दोषियों को छूट देने में आवश्यक कारक नजरअंदाज किए गये

नई दिल्ली। सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता बिलकिस बानो ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष कहा कि उनके मामले में 11 दोषियों को सजा में छूट देते समय शीर्ष अदालत के फैसले के अनुसार जिन कारकों पर विचार किया जाना है, उन्हें गुजरात सरकार ने पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ के समक्ष बिलकिस की वकील शोभा गुप्ता ने ये दलीलें पेश कीं। उन्होंने कहा, इस न्यायालय के निर्णयों के अनुसार जिन कारकों पर विचार किया जाना चाहिए, उन्हें (दोषियों की सजा में) छूट देते समय अपराध परीक्षण, प्रभाव परीक्षण, सामाजिक चिंता, घृणा आदि को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया है। उन्होंने यह भी दलील दी कि न्यूनतम सजा 14 साल है, लेकिन पूर्व नियोजित और असाधारण हिंसा या क्रूरता के साथ की गई हत्या के दोषियों के लिए यह सजा 26 साल है। असाधारण हिंसा या क्रूरता वाले अपराधों या पीड़िता की जलने से मृत्यु, या बलात्कार के बाद हत्या करने के दोषी लोगों के लिए यह सजा 28 वर्ष है। शीर्ष अदालत के समक्ष अधिवक्ता ने कहा, यह सार्वजनिक आक्रोश था। सार्वजनिक रूप से उत्साहित व्यक्तियों ने माफी को चुनौती देने के लिए इस अदालत का दरवाजा खटखटाया। सुश्री गुप्ता ने सवाल किया कि क्या जिन लोगों ने उनके (बिलकिस बानो) साथ दुष्कर्म किया। उनके पूरे परिवार को हत्या कर दी, वे उस उदारता के पात्र हैं जो उन्हें दी गई है।उन्होंने कहा, ' इसका जवाब न है।' उन्होंने शीर्ष अदालत को बताया कि गुजरात के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, जेल और सुधार प्रशासन दोषियों की सजा में छूट देने के मामले में नकारात्मक राय दी थी।

'तब क्यों गुस्सा नहीं आता...', राहुल के 'फ्लाइंग किस' विवाद पर स्वाति मालीवाल का स्मृति ईरानी पर तीखा हमला

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'फ्लाइंग किस' विवाद को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। स्वाति मालीवाल ने किस कंट्रोवसी को महिला पहलवान के यौन उत्पीड़न से जोड़कर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पर तीखा हमला बोला है।उल्लेखनीय है कि लोकसभा में बुधवार यानी 9 अगस्त को अविश्वास प्रस्ताव पर हो रही बहस के बीच भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी पर आरोप लगाया था कि जब कांग्रेस भाषण खत्म करने के बाद सदन से बाहर जा रहे थे तो उन्होंने अभद्रता का परिचय दिया। स्मृति ईरानी के आरोप के मुताबिक, राहुल गांधी जब सदन से बाहर जा रहे थे तो उन्होंने सदन में फ्लाइंग किस की। इससे संसद में मौजूद महिला सदस्यों का अपमान हुआ।

'भारतीय जनतंत्र को कमजोर कर रहे मोदी...', चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से जुड़े बिल पर सीएम केजरीवाल का हमला

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार आज गुरुवार को राज्यसभा में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को रेगुलेट करने से जुड़े बिल को पेश करने जा रही है। इसे लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर करारा हमला बोला है। उन्होंने आज गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट कर प्रधानमंत्री पर भारतीय जनतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है।केजरीवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने एक

निष्पक्ष कमेटी बनायी थी जो निष्पक्ष चुनाव आयुक्तों का चयन करेगी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को पलटकर पीएम मोदी ने ऐसी कमेटी बना दी जो उनके कंट्रोल में होगी और जिस से वो अपने मन पसंद व्यक्ति को चुनाव आयुक्त बना सकेंगे। इससे चुनावों की निष्पक्षता प्रभावित होगी।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 7 अगस्त को दिल्ली में सेवाओं से जुड़ा दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 सोमवार को संसद से पारित किया गया था। राज्यसभा ने 102 के मुकाबले 131 मतों से पारित किया था। मतदान से पहले वोटिंग मशीन खराब हो गई और पर्चियों के जरिये मत विभाजन कराया गया था। मतदान के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह व्हील चेयर पर आए थे।

राजघाट पर धारा 144 लागू, हमें प्रेस कॉन्फ्रेंस करने से रोका गया- पहलवान विनेश फोगाट

नई दिल्ली। देश के नामी पहलवानों ने आज गुरुवार को दिल्ली के राजघाट पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करने का एलान किया था। लेकिन स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर राजधाट पर धारा 144 लागू होने के चलते पहलवानों को अपनी प्रेस वार्ता को टालना पड़ा।

इस संबंध में ओलंपियन विनेश फोगाट ने कहा, पुलिस ने राजघाट पर धारा 144 लगा दी है और हमें प्रेस कांफ्रेंस करने से रोक दिया है। अगली प्रेस कांफ्रेंस का टाइम और जगह जल्दी फाइनल करेंगे। इससे पहले महिला पहलवान साक्षी मलिक और विनेश फोगाट समेत बजरंग पुनिया ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट कर गुरुवार दोपहर साढ़े बारह बजे

राजघाट पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करने का एलान किया था। पहले भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरना-प्रदर्शन और बाद में एशियाई खेलों के ट्रायल से छूट मिलने को लेकर विनेश और दूसरे पहलवान काफी चर्चा में रहे हैं। दिल्ली हाई कोर्ट में खारिज होने के बाद भी ट्रायल में छूट का मामला शांत नहीं हो रहा है।

'गलत इरादे के बिना महिला खिलाड़ी को गले लगाना व छूना अपराध नहीं'

बता दें कि इससे पहले बुधवार (9 अगस्त) को महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न के आरोपी भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआइ) के निवर्तमान प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने राउज एवेन्यू कोर्ट के समक्ष कहा कि गलत इरादे के बिना किसी महिला को गले लगाना या छूना अपराध नहीं है।

चीफ मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल की अदालत में बृजभूषण की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता राजीव मोहन ने कहा कि आरोप बहुत पुराने हैं और बनावटी आधार यह नहीं मानेंगे कि शिकायतकर्ता खतरे में थे।

सांसद बृजभूषण के साथ ही सह-आरोपित और निलंबित डब्ल्यूएफआइ के सहायक सचिव विनोद तोमर के खिलाफ आरोप तय करने के बिंदु पर बहस शुरू हुई। अधिवक्ता राजीव मोहन ने यह भी तर्क दिया कि यदि शिकायतकर्ता स्वतंत्र रूप से घूम रहे हैं और पांच साल तक सामने नहीं आए तो फिर यह कहना कि वे खतरे में थे, वैध स्पष्टीकरण नहीं है। अधिवक्ता ने अदालत के क्षेत्राधिकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि अदालत के पास मामले की सुनवाई करने का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है क्योंकि अपराध भारत के बाहर किए जाने का आरोप है।

उन्होंने कहा कि दो अपराध अशोक रोड और सिरी फोर्ट से संबंधित हैं, लेकिन सिरी फोर्ट में अपराध केवल गले लगाने का है, लेकिन किसी महिला को बिना किसी आपराधिक बल या गलत इरादे के छूना अपराध नहीं है।

मामले में आगे की सुनवाई आज भी रहेगी जारी

अधिवक्ता मोहन ने कहा कि कुश्ती एक ऐसी प्रतियोगिता है जिसके ज्यादातर कोच पुरुष ही होते हैं। महिला कोच दुर्लभ हैं। अगर कोई कोच किसी उपलब्धि के बाद खुशी के मारे किसी खिलाड़ी को गले लगा रहा है तो ये अपराध की श्रेणी में नहीं आ सकता है। मामले में आगे की सुनवाई बृहस्पतिवार को भी जारी रहेगी। मेट्रोपोलिटन अदालत ने 20 जुलाई को बृजभूषण और तोमर को कुछ शर्तों के साथ 25-25 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी थी। साथ ही पूर्व अनुमति के देश छोड़ने पर रोक लगाई थी।

जैसे राहुल की सदस्यता छीनी वैसा मेरे साथ भी करना चाहते हैं, लेकिन ये आवाज दबेगी नहीं: राघव चड्ढा

नई दिल्ली। राज्यसभा से विशेषाधिकार हनन के नोटिस पर आप के वरिष्ठ नेता राघव चड्ढा ने गुरुवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस मौके पर उन्होंने कहा, भाजपा असत्य को सत्य बनाने में लगी हुई है। मेरे खिलाफ भी ऐसा ही झूठा आरोप लगाया जा रहा है। भाजपा वाले लगातार मेरे खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे हैं।

राघव ने आगे कहा, रूल बुक के मुताबिक किसी भी सेलेक्ट कमेटी के लिए कोई भी सांसद किसी का भी नाम

प्रस्तावित कर सकता है। इसके लिए न हस्ताक्षर चाहिए और न ही किसी की सहमति।

राघव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं भाजपा को चुनौती देता हूं कि वो उस कागज को लेकर आएं, जिस पर मैंने किसी के हस्ताक्षर किए हैं। राघव बोले, नियमों के मुताबिक जब भी संसद में कोई बिल आता है तो उसके लिए एक सेलेक्ट कमेटी बनती है। इस कमेटी के लिए कोई भी किसी का भी नाम दे सकता है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

पार्लियामेंट्री बुलेटिन में भी इस मामले की जांच विशेषधिकार समिति को देने की सूचना दी गई है। लेकिन इसमें भी कहीं कोई गलत या भ्रामक शब्द का प्रयोग नहीं किया गया है।

भाजपा के नेताओं को असल समस्या मेरे उस वक्तव्य से है जो मैंने सोमवार को सेवा विधेयक को लेकर पूरी मजबूती से सदन में रखा, वो उनसे बर्दाश्त नहीं हो रहा।

सुभाष कश्यप को गाड़ी सहित अपहरण करने के प्रयास मामले में पुरानी रंजिश आ रही सामने

नोएडा, । थाना सूरजपुर के प्रकरण में अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री सुभाष कश्यप पुत्र श्री रोहतास मूल निवासी सूतीयाना थाना ईकोटेक थर्ड वर्तमान में थाना सूरजपुर क्षेत्र अंतर्गत यामाहा फैक्ट्री के पीछे विशाल मेगा मार्ट के पास महामेगा गली में स्वयं का मकान बनाकर रहते हैं। इनके दो बच्चे कस्बा सूरजपुर स्थित के सी एस गर्ल्स इंटर कॉलेज में पढ़ते हैं। उनकी पुत्री उम्र लगभग 11 वर्ष कक्षा 5 में व पुत्र उम्र लगभग 7 वर्ष कक्षा एक में अध्यनरत है। स्कूल की छुट्टी दोपहर 1:30 बजे होती है ।जो अभिभावक अपने बच्चों को छुट्टी के बाद खुद लेने आते हैं वह लगभग पहले ही स्कूल पहुंच जाते हैं। आज भी

प्रति दिन की भांति सुभाष कश्यप अपने दोनों बच्चों को लेने अपनी स्कॉर्पियो से स्कूल पहुंच गए थे। वहां से दोनों बच्चों को लेकर अपने घर की ओर जा रहे थे,कुछ दूर आगे बढ़ने पर अचानक एक कार से चार लोग उतरे और उन्होंने उनकी स्कॉर्पियो को रोका और गाड़ी की चाबी लेकर चारों अंदर चले गए। उनमें से एक आदमी स्कॉर्पियो चलाने लगा । ब्रेजा में सवार एक अन्य व्यक्ति आगे आगे ब्रेजा लेकर चलने लगा । कुछ दूर आगे जाने पर जाम की स्थिति व लोगों को इकट्ठा होते देखकर तथा अचानक सामने ट्रक आ जाने पर ट्रक में स्कॉर्पियो से टक्कर मारकर श्री सुभाष कश्यप व उनके दोनों बच्चों को छोड़कर स्कॉर्पियो से उतरकर यह चारों लोग भाग गए। घटना की पृष्ठभूमि के संबंध में अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार यह स्पष्ट हुआ है कि विगत 14 जून को सुभाष कश्यप के चाचा के बच्चों से सूतीयाना के ही कुछ लड़कों की लड़ाई हुई थी इसके संबंध में उनकी ओर से थाना ईकोटेक थर्ड में अभियोग भी पंजीकृत कराया गया था। घटना के संबंध में अन्य बिंदुओं पर गहनता से छानबीन की जा रही है। सुभाष कश्यप व उनके दोनों बच्चे सुरक्षित हैं और उनकी स्थिति सामान्य है । सम्पूर्ण प्रकरण के संबंध में सुभाष कश्यप द्वारा प्राप्त तहरीर के आधार पर रोहित पुत्र करतार सिंह और आकाश पुत्र ओमकार तथा दो अन्य के विरुद्ध थाना सूरजपुर में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर घटना के शीघ्र अनावरण एवं घटना में संलिप्त सभी अभियुक्तों की गिरफ्तारी विशेष टीमें बनाकर सुनिश्चित की जाएगी। दोनों पक्ष एक ही गांव के रहने वाले है,इनकी आपस में पुरानी रंजिश चल रही थी। वादी श्री सुभाष कश्यप द्वारा बताया गया कि संपूर्ण घटनाक्रम के दौरान गोली चलने जैसी कोई घटना नहीं घटित हुई है, आसपास के लोगों से भी जानकारी करने पर गोली चलने की पुष्टि नहीं हुई है । उनके हाथ में जो चोट आई है वह उन चारों व्यक्तियों के साथ हुए संघर्ष /छीना झपटी के दौरान आई है !सोशल मीडिया में वायरल वीडियो में गोली चलने की बात जिनके द्वारा कही जा रही है वह घटनास्थल पर नहीं थे। फिर भी साक्ष्यों के एकत्रीकरण हेतु घटनास्थल के आसपास व्यवस्थापित सीसीटीवी कैमरो की फुटेज भी प्राप्त की जा रही है। इस मामले में डीसीपी सेंट्रल अनिल कुमार द्वारा दी गई बाइट।

महिला एनसीसी विंग '31 यूपी गर्ल्स बटालियन' ने विश्वविद्यालय में भारत छोड़ो आन्दोलन का आयोजन किया

गौतमबुद्धनगर। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय की महिला एनसीसी विंग '31 यूपी गर्ल्स बटालियन' ने विश्वविद्यालय में भारत छोड़ो आन्दोलन (अगस्त क्रांति, 9 अगस्त 1942) दिवस का आयोजन किया। एनसीसी महिला कैडेट्स ने सी. टी. ऑफिसर डॉ भावना जोशी की अगुआई में झंडा मार्च निकाला जिसमें कैडेट्स ने भारत छोड़ो आन्दोलन से संबंधित नारों से इस दिवस के महत्व को बताया। कैडेट्स द्वारा विश्वविद्यालय में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया जिसमें स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी गई। कैडेट्स द्वारा प्रशासनिक भवन के समक्ष स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की सफाई के उपरांत भारत छोड़ो आंदोलन के सेनानियों को याद किया गया। इस उपलक्ष पर 31 यूपी बटालियन से हवलदार फिरोज खान कैडेट्स के मार्गदर्शन के लिए उपस्थित रहे । कार्यक्रम के अंत में अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मनमोहन सिंह शिशोदिया ने सभी कैडेट्स का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए बधाई दी।

विशाल झंडा रैली का आयोजन किया गया

गौतमबुद्धनगर। शासन के निर्देश अनुसार दिनांक 9 अगस्त 2023 से दिनांक 15 अगस्त 2023 तक मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 10 अगस्त 2023 को कार्यालय नगर पालिका दादरी से बस स्टैंड तक विशाल झंडा रैली का आयोजन किया गया जिसमे पालिका के कर्मचारी ने लोगो को रैली के माध्यम से जागरूक किया गया इस मौके पर रीना राघव , जाकिर हुसैन, अरुण कुमार , रामप्रवेश पाल , सोहराब , नरेंद्र सिंह राठौड़, फिरोज , पियूष शर्मा , सोबीर, सुधीर भाटी ० समस्त पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे ।

राष्ट्रीय लोकदल विधान मंडल दल के सदस्यों ने आज प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की मुलाकात

लखनऊ/गाजियाबाद। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने बताया कि रालोद विधायकों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री से प्रदेश में बाढ़ से हुए नुकसान का मुआवजा देने ,बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान करने गन्ना मूल्य में वृद्धि करने किसानों को फ्री बिजली देने त्वरित आर्थिक विकास योजना में सभी विधायकों को समान धन राशि आवंटित करने के

उद्देश्य से मुलाकात की तथा आने क्षेत्रों की समस्याओं से भी अवगत कराया।

बी एस एफ यूनिट ग्रेटर नोएडा के तत्वाधान में आजादी के अमृत महोत्सव पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा वेस्ट: आजादी के 75 में अमृत महोत्सव एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम बीएसएफ के तत्वाधान में खैरपुर गुर्जर में मनाया गया। खैरपुर गुर्जर में बी एस एफ यूनिट ग्रेटर नोएडा के तत्वाधान में आजादी के 75 साल अमृत महोत्सव वृक्षारोपण का कार्यक्रम मनाया गया जिसमें "मेरी माटी मेरा देश के" तहत ग्राम वासियों को शपथ दिलाई गई जिसमें बीएसएफ 36 बटालियन हेड क्वार्टर ग्रेटर नोएडा के डिप्टी कमांडेंट प्रदीप मलिक डिप्टी कमांडेंट से अशोक कुमार असिस्टेंट कमांडेंट प्रियरंजन सूबेदार मेजर अर्जुन सिंह उपस्थित रहे डिप्टी कमांडेंट प्रदीप मलिकने ग्राम वासियों को मेरी माटी मेरा देश के तहत शपथ दिलाई गई इसके उपरांत वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय योग संस्थान ग्रेटर नोएडा अध्यक्ष किशनचंद खारी द्वारा किया गया जिसमें दीपचंद नेताजी, प्रवीण शर्मा, विजयपाल मास्टर चाहत राम, महावीर सिंह करतार फौजी आदि ग्रामीण ने हिस्सा लिया उक्त कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट गजेंद्र सिंह खारी द्वारा किया गया शपथ के बाद पौधारोपण भी किया गया।

दो दिवसीय सायबर सुरक्षा हैकाथॉन "कवच" 2023 के सॉफ्टवेर संस्करण का भव्य समापन किया गया

ग्रेटर नॉएडा: स्थित जीएल बजाज कॉलिज में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित दो दिवसीय सायबर सुरक्षा हैकाथॉन "कवच" 2023 के सॉफ्टवेर संस्करण का भव्य समापन किया गया। आईबी निदेशक तपन कुमार डेका ने देश के पांचों नोडल सेंटर पर प्रतियोगिता के समापन समाहरोह को वर्चुअल संबोधित किया और विजेता टीमों के सदस्यों से बात की। इसके बाद जीएल बजाज कॉलिज में प्रतियोगिता के विजेता टीमों के नाम की घोषणा की गई। वीरमाता जीजाबाई टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट, मुंबई की टीम स्पार्कड को साइबर अपराधों से सुरक्षा के लिए नागरिक सुरक्षा ऐप के लिए, के० जे०

सोमैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, सोमल्या विद्याविहार विश्वविद्यालय मुंबई की टीम जाहिर को फंड ट्रेल विश्लेषण उपकरण प्रॉब्लम स्टेटमेंट के लिए थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी पटियाला की टीम आरक्षक को जमीनी कर्मियों की निगरानी के लिए उपकरण प्रॉब्लम स्टेटमेंट और गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल स्टडीज उदयपुर की टीम ब्राइट स्पार्क को लोरा के उपयोग का पता लगाना प्रॉब्लम स्टेटमेंट के लिए ज्यूरी मंडल ने विजेता घोषित किया। जीएलबीआईटीएम के निदेशक डॉ० मानस कुमार मिश्रा और जीएलबीसीआरआई के सलाकार एस० पी० मिश्रा, बीपीआरएंडडी डॉ पी एस सिंह, नोडल सेंटर हेड डॉ निखिल कांत ने जीतने वाली टीमों को मैडल और एक एक लाख रुपए पुरस्कार के रूप में देकर सम्मानित किया। आपको बता दें कि गृह एवं शिक्षा मंत्रालय की पहल ये प्रतियोगिता पूरे देश में केवल 5 शिक्षण संस्थानों में आयोजित की जा रही थी। जिसमें से नार्थ इंडिया में जीएल बजाज कॉलिज को एक मात्र सॉफ्टवेयर संस्करण के लिए नोडल सेंटर चुना गया था। जहाँ पर देश के 7 राज्यों (महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तर-प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, वेस्ट बंगाल, कर्नाटक) की 22 टीमों में कुल 150 छात्रों ने भाग लेकर 21वीं सदी की सायबर सुरक्षा से जुडी चुनौतियों से निपटने के लिए (साइबर अपराधों से सुरक्षा के लिए नागरिक सुरक्षा ऐप, फंड ट्रेल विश्लेषण उपकरण, ग्राउंड कार्मिक की निगरानी के लिए उपकरण, लोरा के उपयोग का पता लगाना) जैसे 4 प्रॉब्लम स्टेटमेंट पर लगातार 36 घंटे तक कार्य किया। "कवच" प्रतियोगिता आधुनिक सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए नवीन अवधारणाओं और प्रौद्योगिकी समाधानों की पहचान करने वाला नॉन-स्टॉप साइबर सुरक्षा से जुड़ा एक अनोखा हैकाथॉन था। जिसकी कल्पना कृत्रिम बुद्धिमत्ता, गहन शिक्षण, मशीन लर्निंग, स्वचालन, डेटा और क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग करके साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में विचारों और रूपरेखा की संकल्पना करने वाले भारत के अभिनव दिमागों को परखने के लिए की गई है। शिक्षा मंत्रालय की इनोवेशन सेल,एआईसीटीई पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो (BPR&D) (MHA) और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) (MHA) ने एक साथ मिलकर कवच-2023 को पूर्ण रूप दिया। जीएल बजाज शिक्षण संस्थान के वाइस चेयरमैन पंकज अग्रवाल ने सभी विजेता टीमों को और आयोजन समिति को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

संक्षिप्त डायरी

नोएडा सोसाइटी लिफ्ट हादसा गिरफ्तार एओए को जमानत मिली

नोएडा, । सेक्टर 142 थाना क्षेत्र के सेक्टर 137 स्थित पारस टिएरा सोसाइटी में लिफ्ट की तार टूटने से तीन अगस्त को हुई 72 वर्षीय महिला की मौत के मामले में गिरफ्तार अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) के अध्यक्ष कर्नल रमेश गौतम को पुलिस ने मंगलवार को स्थानीय अदालत में पेश किया और अदालत से उन्हें जमानत मिल गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस आयुक्त के प्रवक्ता ने बताया कि तीन अगस्त को सेक्टर-137 स्थित पारस टिएरा सोसाइटी की लिफ्ट की तार टूटने से सोसाइटी की निवासी सुशीला देवी की लिफ्ट में फंसकर मौत हो गई थी। इस मामले में एओए के अध्यक्ष रमेश गौतम, उपाध्यक्ष आनंद पाल चौहान, जनरल सेक्रेटरी सुखपाल सिंह राणा, कोषाध्यक्ष नीतू तथा रखरखाव करने वाली कंपनी के कर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि गौतम को पुलिस ने घटना वाले दिन हिरासत में ले लिया था, लेकिन तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सोमवार को अस्पताल से उन्हें छुट्टी मिली। मंगलवार को पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। गौतम ने आरोप लगाया,वह एओए के पद पर वह स्वैच्छिक रूप से काम कर रहे हैं, इसके बावजूद कुछ लोगों के उकसाने पर बड़ी संख्या में निवासियों ने पहले टावर के नीचे डेढ़ घंटे और फिर दो घंटे तक पुलिस वाहन में उन्हें बंधक बनाए रखा। उन्होंने भीड़ की आड़ में हिंसा की कोशिश की। उन्होंने कहा कि इस मामले में अभी कोई लिखित शिकायत नहीं दी है, लेकिन जल्द वह कानूनी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने बताया कि बिल्डर ने दो महीने पहले उन्हें सोसाइटी के रखरखाव, सुरक्षा का काम सौंपा था, लेकिन उसने रखरखाव और सुरक्षा के मद का लगभग 35 करोड रुपये का कोष अब तक नहीं दिया है।

नोएडा में साइबर ठगी की रकम से सोना खरीदने वाले गिरोह का पदार्फाश, चार गिरफ्तार

नोएडा, । नोएडा पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पदार्फाश किया है जो लोगों के क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर उनसे रुपये ऐंठता और उन रुपयों के आधार पर बड़े-बड़े आभूषण कारोबारियों से सोने के सिक्के खरीद कर लाखों रुपये की ठगी करता था। पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) हरिश चंदर ने कहा कि सेक्टर-20 थाने की पुलिस ने बुधवार को एक सूचना के आधार पर भूपेंद्र, हेमंत, सचिन तथा ध्रुव को गिरफ्तार किया। इनके पास से पुलिस ने दो लाख रुपये नकद तथा सोना गिरवी रखकर कर्ज देने वाली एक कंपनी में जमा तीन लाख रुपये मूल्य का सोना जब्त किया। उन्होंने बताया कि बदमाशों के पास से पुलिस ने मोबाइल फोन तथा अन्य उपकरण बरामद किए हैं। डीसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि कुछ समय पहले हैदराबाद पुलिस ने भी इन लोगों को पकड़ा था। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी विभिन्न लोगों से संपर्क कर उनके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर उनके खाते से रकम निकाल लेते और रेजर-पे ऐप के माध्यम से बड़े-बड़े सुनारों से संपर्क करके उन्हें रकम हस्तांतरित करते तथा उनके यहां से सोना लेते थे।

नोएडा में पेड़ से फंदे से लटका मिला युवक का शव

नोएडा, । ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र के महिला उद्यमी पार्क-प्रथम के पास बुधवार को सड़क किनारे पेड़ से एक अज्ञात युवक का शव लटका मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस आयुक्त के प्रवक्ता ने बताया कि बुधवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि लगभग 22 वर्षीय युवक का शव महिला उद्यमी पार्क-प्रथम के पास से गुजरने वाली सड़क के पास एक पेड़ से फंदे से लटका हुआ है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर थाना इकोटेक-3 पुलिस और क्षेत्र इकाई मौके पर पहुंची। प्रवक्ता ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है।

नोएडा में युवती का अधजला शव मिला

नोएडा, । इकोटेक-1 थाना क्षेत्र के मुरसदपुर-जगनपुर गांव के पास एक युवती का अधजला शव बरामद किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। ईकोटेक-प्रथम के थाना प्रभारी अनुज राणा ने बताया कि मंगलवार को थाना क्षेत्र के मुरसदपुर गांव के पास 24 साल की युवती का अधजला शव मिला। शव 80 फीसदी तक जला हुआ है। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को देखकर प्रतीत होता है कि युवती की गला घोंटकर हत्या की गई और पहचान छिपाने के लिए शव को जला दिया गया और फिर फिर उसे ठिकाने लगा दिया गया। उन्होंने बताया कि मामले में जांच की जा रही है और युवती की शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।

आप की सरकार बनने पर हरियाणा में देंगे दिल्ली व पंजाब की तर्ज पर फ्री बिजली: राकेश चुघ

पानीपत। आम आदमी पार्टी द्वारा चलाये जा रहे बिजली आंदोलन के तहत बुधवार को वार्ड आठ में रमायणी चौक के पास चौपाल में आप के जिला अध्यक्ष राकेश चुघ ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बिजली के बिलों को लेकर स्थानीय लोगों से जन संवाद किया गया। वहीं जिला अध्यक्ष राकेश चुघ ने पार्टी कार्यकर्ताओं व स्थानीय लोगों के साथ मिलकर उपभोक्ताओं को आने वाले भारी भरकम बिजली के बिलों की होली जलाई गई और हरियाणा सरकार के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया गया। राकेश चुघ ने बताया कि आप द्वारा प्रदेश में बिजली आंदोलन चलाया गया, जिसमें पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर लोगों को बताया गया कि दिल्ली व पंजाब की आप सरकारों द्वारा लोगों को घरों की फ्री बिजली दी जा रही है जबकि पानीपत सहित हरियाणा में लोगों के भारी भरकम बिल आ रहे है। जिला अध्यक्ष राकेश चुघ ने स्थानीय निवासियों से जन संवाद करते हुए बताया कि हरियाणा में भी 2024 के विधानसभा चुनाव में आप की सरकार बनने पर लोगों को फ्री बिजली दी जाएगी। जिससे एक गरीब व आम जनता को बिजली के बिल भरने की सारी टेंशन खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली व पंजाब के लोगों को फ्री बिजली मिल सकती है तो हरियाणा की जनता को फ्री बिजली क्यों नहीं दी जा रही है। इस अवसर पर जोनी चावला, नीलम परनामी,राजकुमार मिगलानी, गोल्डी चावला, पवन गर्ग व स्थानीय व्यक्ति मौजूद रहे।

प्रॉपर्टी आई.डी. से सम्बंधित आपत्ति का तेजी से हो रहा समाधान

करनाल। एनडीसी पोर्टल पर प्रॉपर्टी आई.डी. से सम्बंधित डाली गई आपत्ति का समाधान तेजी से किया जा रहा है। बुधवार को नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा ने सम्पत्ति कर शाखा के साथ समीक्षा में जानकारी दी गई एक सप्ताह पहले करीब 2300 आपत्तियां मेकर लेवल पर लंबित थी, जो घटकर अब लगभग 400 रह गई हैं। इसके लिए उन्होंने नोडल अधिकारी व अतिरिक्त आयुक्त गौरव कुमार, क्षेत्रीय कराधान अधिकारी अंकुश पराशर, कर अधीक्षक गगनदीप सिंह तथा इस काम में लगे तमाम कर्मचारियों को शाबाशी दी।

37 मेकर व चैकर की लगाई गई ड्यूटी- निगमायुक्त ने बताया कि आपत्तियों के त्वरित समाधान के लिए निगम की ओर से मैनपावर बढ़ा दी गई है। इसके लिए 37 लिपिकों, आशुलिपिक व सहायक अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई हैं। उन्होंने बताया कि आपत्ति का समाधान मेकर व चैकर, अलग-अलग लेवल पर किया जाता है। इसके लिए 33 मेकर व चैकर की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अतिरिक्त नई प्रॉपर्टी आई.डी. बनाने के लिए भी 4 लिपिक लगाए गए हैं।

श्रेणी व क्षेत्र परिवर्तन मामले में करें फील्ड विजिट- उन्होंने मीटिंग में मौजूद नायब तहसीलदार, कानूनगो व पटवारी को निर्देश दिए कि श्रेणी व क्षेत्र परिवर्तन से सम्बंधित आपत्तियों के समाधान के लिए फील्ड विजिट अवश्य करें, ताकि सही डाटा दर्ज किया जा सके। उन्होंने ऐसी आपत्तियों को शनिवार तक निपटाने का लक्ष्य दिया। नई प्रॉपर्टी आई.डी. के मामले निपटाने में ओर तेजी लाने के भी एटीपी संदीप राठी को निर्देश दिए।

अपनी आई.डी. को स्वयं करें सत्यापित- निगमायुक्त ने बताया कि नागरिक एन.डी.सी. पोर्टल पर अपनी सम्पत्ति कर आई.डी. डालकर उसे स्वयं सत्यापित कर सकते हैं। ऐसा करना बहुत आसान है। जैसे ही इसमें डिटेल आएगी, उसे ध्यान से पढने् के बाद, जो ठीक दिखाई दे, उसे येस करें,

जो ठीक न हो, उसमें नो करके साथ-साथ ऑब्जैक्शन डाल दें, डाले गए ऑब्जैक्शन का समाधान हो जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वयं अपनी आई.डी. को स्वयं सत्यापित कर लें। इसमें एक फायदा यह भी है कि ऐसा करने के बाद आई.डी. सम्बंधित नागरिक ही देख सकता है, अन्य कोई दूसरा व्यक्ति नहीं देख सकता। उन्होंने बताया कि ऐसा करने पर सरकार की ओर से जल्द ही चालू वित्त वर्ष के बिलों पर 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। लोगों को स्वयं सत्यापित करने के प्रति जागरूक करने के लिए उन्होंने शहर की मुख्य-मुख्य जगहों पर बैनर लगाने के भी निर्देश दिए। सम्पत्ति आंकलन के बांटे 12 हजार नोटिस- उन्होंने बताया कि नगर निगम के अधीन सभी वाणिज्यिक, आवासीय एवं खाली प्लॉटों के एसेसमेंट नोटिस बांटे जा रहे हैं, अब तक करीब 12 हजार नोटिस बांटे जा चुके हैं। उन्होंने कर अधीक्षक को निर्देश दिए कि 31 अगस्त तक ऐसे नोटिस सभी हाऊस होल्ड में वितरित कर दिए जाएं। निगमायुक्त ने नागरिकों से अपील की कि सभी नोटिस को अच्छे से जांच कर लें। अगर किसी की प्रॉपर्टी आई.डी. में डाटा की त्रुटि पाई जाती है, तो वह नोटिस पर ही सही डाटा लिख दें। सम्बंधित दस्तावेज भी साथ लगाने होंगे। उन्होंने कहा कि नागरिक ऐसे नोटिस को सम्बंधित पार्षद या आर.डब्ल्यू.ए. को दे दें, निगम की टीम उनसे एकत्र करेगी। तत्पश्चात उनका टैक्स शाखा की ओर से प्रॉपर्टी आई.डी. में सही डाटा दर्ज कर दिया जाएगा।

सरकारी विभागों की बनाए प्रॉपर्टी आई.डी.- निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि जिन सरकारी विभागों या कार्यालयों की नई प्रॉपर्टी आई.डी. अभी तक नहीं बनी है, उसे तुरंत प्रभाव से बनाया जाए। इससे कार्यालय अपना सम्पत्ति कर देख सकेंगे और उसे जमा करवाने के लिए अपने मुख्यालय से धनराशि की मांग कर सकेंगे।

लिपिकों को दी हिदायत- उन्होंने आपत्ति दूर करने वाले लिपिकों को हिदायत देते कहा कि वह दस्तावेजों की अच्छी तरह जांच के बाद ऑब्जैक्शन दूर करें। बिलावजह किसी की आपत्ति को वापिस न भेजें। उन्होंने क्षेत्रीय कराधान अधिकारी व कर अधीक्षक से कहा कि वह इस कार्य की निगरानी करें।

वरित्रा फाउंडेशन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग हरियाणा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में करीब 700 ग्रामीण महिलाएं लेगी भाग

करनाल। वरित्रा फाउंडेशन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग हरियाणा की ओर से महिला सशक्तिकरण को लेकर 10 अगस्त वीरवार को प्रात ~ 10 बजे स्थानीय डॉ. मंगल सैन ओडिटोरियम में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगें। इस कार्यक्रम में घरौंडा के विधायक हरविन्द्र कल्याण, विशिष्ठ अतिथि के तौर पर कौशल विकास मंत्रालय भारत सरकार के सचिव अतुल कुमार तिवारी, करनाल नगर निगम की मेयर रेनू बाला गुप्ता तथा वरित्रा फाउंडेशन की संस्थापक ऐशना कल्याण मौजूद रहेगी।

वरित्रा फाउंडेशन की संस्थापक ऐशना कल्याण ने बताया कि भारतीय ग्रामीण महिलाओं की वर्तमान सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति पर चिंतन, उनके सामने खड़ी प्रमुख चुनौतियाँ तथा उनकी बेहतरी के लिए किये जाने वाले सकारात्मक कामों पर चर्चा करने का एक पथ्य जरिया बने यह 'टेकड़ी' कार्यक्रम - ऐसी हमारी कोशिश रहेगी।

इस कार्यक्रम में 700 से अधिक ग्रामीण महिलाएं भाग लेगी और उनकी जागरूकता के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा जिनमें मुख्यत प्रर्दशनी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम और टेकड़ी संवाद शामिल रहेंगें। कार्यक्रम में नेताओं, विचारकों और विशेषज्ञों द्वारा ग्रामीण महिलाओं के इर्द-गिर्द की चुनौतियों, सामाजिक-आर्थिक तथा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि वरित्रा फाउंडेशन ग्रामीण महिला सशक्तिकरण को लेकर फील्ड में काम कर रही है इसके अलावा स्कूलों में पढने से वंचित बच्चों को पढने के लिए प्रेरित करने का कार्य किया जाता है।

धर्म और मजहब के बताए सही रास्ते पर चलें युवा : मौलाना

कैथल। हरियाणा के नूंह जिले व आसपास के क्षेत्र में हुए साम्प्रदायिक दंगों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मदनी मदरसा कैथल के संचालक मौलाना सैईदूर रहमान ने कहा कि देश में दंगे के दौरान किसी जाति, धर्म, मजहब और देश के फायदे की बात नहीं होती। मुलाना ने नूंह हिंसा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जिस तरह की घटनाएं नूंह और गुरुग्राम में हुई है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। साम्प्रदायिक हिंसा कहीं भी हो उसे किसी भी समुदाय का भला नहीं होता, इसका सबसे बड़ा नुकसान आमजन को होता है। हिंसा की आग धर्म व मजहब नहीं देखती, इसकी चपेट में इंसानियत आती है। इस हिंसा की चपेट में जिस का व्यक्ति का घर आता है उससे पूछो धर्म क्या होता है वह बताएगा। उन्होंने कहा कि चंद लोग भारत देश की गंगा जमुनी तहजीब को खराब करने के लिए युवाओं को अंधकार में धकेल रहे हैं। हमारे देश के युवाओं को सरकार भरोसा रखना चाहिए और धर्म के नाम पर उनके भविष्य से खिलवाड़ करने वालों से सवाल करना चाहिए व हमेशा सावधान रहना चाहिए। मौलाना ने कहा कि युवाओं को समझना होगा कि देश से बड़ा कोई धर्म नही है और देश सेवा से बड़ा न कोई फ़र्ज़ नहीं है। उन्होंने कहा कि देश में अमन, शांति, आपसी भाईचारा बनाये रखना भी देशभक्ति है। स्वत्रंता दिवस का ये पाक महीना सभी भारतवासियों के जश्न मनाने का है ना कि आपस मे लड़ने का। मौलाना ने सभी से शांति बनाए रखने और प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की है।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने किया एनडीआरआई का दौरा, बोले- जमीन तक पहुंचे लैब में हो रही रिसर्च

करनाल। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बुधवार को करनाल में स्थित राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई) का दौरा किया। उन्होंने एनडीआरआई में अलग-अलग जगह चल रहे शोध कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि एनडीआरआई में बहुत से शोध कार्य हो रहे हैं लेकिन यह कार्य लैब से लैंड तक पहुंचने चाहिए। उन्होंने कहा कि लैब में जितने शोध हो रहे हैं, वो जमीन तक पहुंचने चाहिए ताकि भारत के किसान और पशुपालक को इसका फायदा हो सके। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि उन्हें बेहद खुशी है कि एनडीआरआई में ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ा कार्य हो रहा है। भारत की जनसंख्या का बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्र में रहता है, जो पशुपालक भी हैं। भारत विश्वभर में दुग्ध उत्पादन में पहले स्थान पर है। यह हर्ष की बात है कि एनडीआरआई में बेहतर रिसर्च हो रही है। नई-नई तकनीक पर कार्य किया जा रहा है, जिससे आम लोगों को लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि हमें ओर ज्यादा रिसर्च को बढ़ावा देना चाहिए, इससे आम जन का ओर भला होगा। भारत के लोगों को ऐसे शोध संस्थानों से बहुत अपेक्षाएं हैं।

गिर और साहीवाल गायों को देखा

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने पशुधन अनुसंधान केंद्र का दौरा किया और गिर और साहीवाल गायों के स्वदेशी गाय झुंड को देखा और संस्थान द्वारा उत्पादित भैंस और गिर क्लोन को भी देखा। उन्होंने पशु प्रजनन अनुसंधान परिसर में रखे गए एनडीआरआई के प्रजनन सांडों को भी देखा और वीर्य प्रयोगशाला का भी दौरा किया। राज्यपाल ने मॉडल डेयरी प्लांट का भी दौरा किया और प्लांट में निर्मित विभिन्न गुणवत्ता वाले दूध उत्पादों को देखा।

राज्यपाल को संस्थान द्वारा विकसित की जा रही उन्नत अनुसंधान सुविधाओं और दूध में मिलावट की जांच, भोजन की पैकेजिंग, गर्भावस्था निदान किट आदि जैसी तकनीकों से भी अवगत कराया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. धीर सिंह ने राज्यपाल के समक्ष संस्थान में वर्षो से की जा रही शोध गतिविधियों का प्रस्तुतीकरण दिया। इस अवसर पर एडीसी डॉ. वैशाली शर्मा, एसपी शशांक कुमार सावन, एनडीआरआई के संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक) डॉ. ए.के. सिंह, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) डॉ. राजन शर्मा, डॉ. अजय डांग व अन्य वैज्ञानिक मौजूद रहे।

बाल विवाह, बाल श्रम जैसी बुराइयों को रोकने हेतु चलाया गया जागरूकता अभियान

कैथल। चिल्ड्रन फाउंडेशन के तहत एमडीडी ऑफ इंडिया द्वारा न्याय तक पहुँच परियोजना के तहत बाल विवाह रोकथाम, बाल मजदूरी व बाल यौन शोषण को रोकने के लिए महाबीर मैहला के नेतृत्व में श्री गीता निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल टयोंठा व गांव के विभिन्न स्थानों पर लोगो को जागरूक किया गया। इस अवसर पर श्री गीता निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के निदेशक कवि राज शर्मा व प्रधानाचार्य राजेश टयोंठा ने कहा कि यह बहुत ही सराहनीय अभियान है, ऐसे जागरूक कार्यक्रम प्रत्येक गांव, विद्यालय, आंगनवाड़ी केंद्रों, गली व मोहल्लों में चलाए जाने चाहिए ताकि समाज को इन कुरीतियों से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि जो यह संस्था बाल विवाह, बाल मजदूरी वह बाल यौन शोषण पर कार्य कर रही है, इसके लिए ये बधाई के पात्र हैं। पीटीआई नीरज गुनियाना ने कहा कि हम भरपूर प्रयास करेंगे कि अपने गांव व आसपास के गांवो में ऐसी कोई सामाजिक बुराई ना फैले और हम सब इस संस्था का पूरा सहयोग करेंगे। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता महाबीर मैहला ने बातचीत करते हुए कहा कि बाल विवाह समाज के लिए अभिशाप है, बाल विवाह लड़की के समग्र विकास को प्रभावित करता है जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, पैसे कमाने की क्षमता, व्यक्तिगत सुरक्षा, कानूनी अधिकार शामिल है। अगर हमें बाल विवाह का पता चलता है तो हमें उनकी तुरंत जानकारी जिला उपायुक्त, अधिकारियों, बाल कल्याण समिति, ग्राम पंचायत, सरपंच, तहसीलदार, बाल विकास परियोजना अधिकारी, स्कूल शिक्षक व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को उपलब्ध करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बाल विवाह व बाल मजदूरी एक अवैध अपराध है, इसमें 2 वर्ष की कैद हो सकती है जिसमें बच्चे की शादी करवाने वाले परिवारों को व शादी में शामिल सभी व्यक्तियों को बाल विवाह कानून के अंतर्गत सजा व जुर्माने का प्रावधान है, इसके लिए हम लोगों को जागरूक भी करेंगे। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर करनाल जिले को बाल विवाह व बाल मजदूरी मुक्त बनाना है, यह हम सब की जिम्मेदारी है। इन सामाजिक बुराईओं को हम सभी मिलकर खत्म कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अपने आसपास क्षेत्र में अगर कोई बाल मजदूरी करवा रहा है तो उसको भी रोकने का प्रयास करेंगे क्योंकि यह बच्चों के पढ़ने की उम्र है और इस समय हम किसी न किसी कारण से अपने बच्चों को बाल मजदूरी में लगा देते हैं। यदि वह आपके समझाने पर भी नहीं मानता तो उपरोक्त अधिकारियों से इसके बारे में आप सूचित कर सकते हैं। इन सभी कार्यों के लिए आपका नाम गुप्त रखा जाएगा व आपको प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर अध्यापक चेतन शर्मा, दीपक, सुषमा, मीनाक्षी आर्य, वीना, सुनीता, संदीप शास्त्री, रीना, कप्तान सिंह मेज़र हाबड़ी सहित सैंकड़ो बच्चें शामिल रहे।

ब्राह्मण सभा जिला रेवाड़ी का तीज महोत्सव पर 'तीज के रंग आजादी के संग' कार्यक्रम 15 अगस्त को

रेवाड़ी। ब्राह्मण सभा जिला रेवाड़ी के पदाधिकारी एवं कार्यकरीणी सदस्यों की बैठक प्रधान चंद्रशेखर गौतम की अध्यक्षता में सभा मुख्यालय ब्रह्मगढ़ पर हुई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस व तीज महोत्सव मनाए जाने के बारे में विचार विमर्श किया गया। स्वतंत्रता दिवस पर प्रातः 9~30 बजे प्रधान चंद्रशेखर गौतम द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। महासचिव हेमन्त भारद्वाज ने बताया कि इसके पश्चात स्वतंत्रता दिवस एवं हरियाली तीज महोत्सव के उपलक्ष्य में सांय 3~00 बजे *÷तीज के रंग आजादी के संग÷* कार्यक्रम मनाया जाएगा कार्यक्रम में समाज की महिलाओं व बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम किया जाएगा। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ डीजे, मेहंदी प्रतियोगिता, झूले, खानपान, बच्चों के झूले, की व्यवस्था के साथ हरियाली तीज महोत्सव *÷तीज के रंग आजादी के संग* ÷धूमधाम से मनाया जाएगा इसके साथ-साथ ÷बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ÷ अभियान में जिन परिवारों में बेटी का जन्म हुआ है उन्हें भी प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रधान चंद्रशेखर गौतम ने समाज के लोगों से अपील की है कि उपरोक्त दोनों कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में पहुंच कर कार्यक्रम का आनंद लेने का आह्वान किया।बैठक में उपप्रधान दीपक मुदगिल एडवोकेट , कोषाध्यक्ष खुशहाल शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र तिवाडी,भूपेंद्र भारद्वाज,दीपक शर्मा, विनोद कौशिक साहलावास,जयकुमार कोशिक, युवा प्रधान कपीस शर्मा, महिला प्रधान सरोज भारद्वाज, सुरेश शर्मा, सतीश भारद्वाज उपस्थित रहे।

राष्ट्र प्रेम को समर्पित 'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान का हुआ आगाजः डीसी वीरेंद्र दहिया

पानीपत। आजादी के अमृत महोत्सव का समापन भव्य रूप से किया जाएगा। इन समापन पलों को यादगार बनाने के लिए देशभर में बुधवार से मेरी माटी मेरा देश राष्ट्वव्यापी अभियान की शुरुआत की गई है। यह अभियान आगामी 15 अगस्त तक चलेगा। मेरी माटी मेरा देश अभियान वसुधा-वंदन -शहीदों को नमन थीम के साथ समर्पित रहेगा।

डीसी वीरेंद्र कुमार दहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि ऐतिहासिक धरती पानीपत जिला में मेरी माटी मेरा देश अभियान का आयोजन भव्य रूप से किया जाएगा और जन-जन तक राष्ट्र प्रेम का संदेश पहुंचाया जाएगा। इस अभियान में जिला पानीपत की उल्लेखनीय भूमिका रहेगी।

उन्होंने जिलावासियों का आह्वान किया कि समस्त नागरिक इस अभियान में भागीदारी करते हुए अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। अभियान के तहत वसुधा वंदन कार्यक्रम में प्रत्येक पंचायत में कम से कम 75 विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया जाएगा।

सेल्फी अपलोड करने पर मिलेगा डिजिटल सर्टिफिकेट

डीसी वीरेंद्र कुमार दहिया ने बताया कि मेरी माटी-मेरा देश अभियान के तहत नागरिक पंच प्रण शपथ ले सकते हैं और युवाडॉटजीओवीडॉटइन/ × मेरीमाटीमेरादेशडॉटजीओवीडॉटइन पर पंजीकरण

कर मिट्टी या दीए के साथ सेल्फी भी अपलोड कर सकते हैं। जिसका डिजिटल सर्टिफिकेट भी डाउनलोड किया जा सकेगा। इसी तरह वीरों का वंदन कार्यक्रम के तहत गांव-गांव स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों के स्वजनों, पुलिस से सेवानिवृत्त व सेना के वेटरन्स को भी देश सेवा में योगदान के लिए कृतज्ञता के भाव के साथ सम्मानित किया जाएगा।

आम नागरिक ऐसे बनें मेरी माटी-मेरा देश अभियान में भागीदार

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विवेक चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि मेरी माटी-मेरा देश अभियान शुरू कर दिया गया है, जिसके तहत 15 अगस्त 2023, स्वतंत्रता दिवस तक निर्धारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान के तहत प्रत्येक गांव की मिट्टी को एक नमूने के तौर पर जुटाकर अमृत कलश यात्रा के रूप में दिल्ली लाया जाएगा। आजादी के इस कार्यक्रम के तहत सामूहिक भागीदारी (जन भागीदारी) को प्रोत्साहित करने के लिए, एक वेबसाइट युवाडॉटजीओवीडॉटइन/ × मेरीमाटीमेरादेशडॉटजीओवीडॉटइन लांच की गई है, जहां लोग मिट्टी या मिट्टी का दीपक हाथ में लेकर अपनी सेल्फी अपलोड कर सकते हैं। ऐसा करके, वे भारत को एक विकसित देश बनाने, गुलामी की मानसिकता को खत्म करने, हमारी समृद्ध विरासत पर गर्व करने, एकता और एकजुटता बनाए रखने, नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों को पूरा करने और राष्ट्र की रक्षा करने वालों का सम्मान करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए पंच प्रण की प्रतिज्ञा ले सकते हैं।

कमरे की जाली काटकर घुसे चोर, 22 तोले सोना और 3 लाख ले गए- घर के बाहर सो रहा था मालिक

उकलाना मंडी। गांव किनाला में एक घर में चोरी हो गई और चोर घर से करीब 22 तोला सोना और 3 लाख रुपए ले गए। चोरों के आने और जाने के पैरों के निशान भी मिले, जिसे मकान मालिक ने ढक दिया। पुलिस ने आकर उनका निरीक्षण किया और मामला दर्ज किया है। गांव किनाला के प्रवीण ने बताया कि उसकी ढाणी (घर) खेतों में है। 8-9 अगस्त की रात को जब वह अपने घर के बाहर सो रहा था तो पीछे से घर के कमरे की जाली काटकर चोर अंदर दाखिल हुए। इसके बाद उन्होंने घर के कमरों की तलाशी ली और ताले तोडक़र अंदर घर में रखा 22 तोले सोना और 3 लाख चुराकर ले गए। सुबह जब पारिवारिक सदस्य उठे तो सामान बिखरा हुआ मिला। इसके बाद जब सोना और पैसे चेक किए तो वह गायब मिले। चोरी की सूचना मिलने पर ग्रामीण प्रवीण के घर पर पहुंचे। इसके बाद डायल 112 पर कॉल करके पुलिस बुलाई। पुलिस ने दीवार के पीछे पैरों के निशान का मुआयना किया। वही जांच अधिकारी हीरा सिंह ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांच जारी है।

गोगा माड़ी टीक पर गुगा नवमी के अवसर पर हवन व भण्डारे का आयोजन

कैथल। गांव टीक में गोगा माड़ी पर आज हवन यज्ञ एवं श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। गुगा नवमी पर आयोजित हवन यज्ञ में सभी ग्रामीणों ने आहुति डाली व गांव की सुख शांति की कामना की। भंडारे की शुरुआत में पुरोहितों व कन्याओं को भोजन करवाया गया। गांव के गणमान्य व्यक्तियों में बताया कि हर वर्ष ग्रामीणों की सुख-शांति के लिए गोगा माड़ी पर भंडारे का आयोजन होता है। वहीं हवन यज्ञ के माध्यम से सभी के लिए सुख समृद्धि भाईचारे की कामना की जाती है। उन्होंने कहा कि जाहरवीर गोगा जी भक्तों के दुःख हरने वाले हैं, सच्चे मन से मुराद मांगने वाले भक्तों की भगवान मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इस अवसर पर पँडित मनोज शर्मा, पूर्व सरपंच विक्रम तंवर, धर्मपाल नंबरदार, सरपंच प्रतिनिधि सोहनलाल, विक्की समाजसेवी, रामफल, सुरेंद्र कुमार, ज्ञानचंद, राजेश पूर्व पंच, जगदीश भगत, निर्मल भगत, भोलू भगत, संजू पंच, राजेंदर प्रजापति, सतपाल चौकीदार, दीपी नंबरदार, नरेश तंवर, चंदन, अच्छबल, मेवाराम, गुरदयाल, अनिल, अमन तंवर, विक्रम डिपो होल्डर, संजू नायक पूर्व पंच आदि मौजूद रहे।

देशभक्ति की भावना से सराबोर करेगा तिरंगाः डीसी

पानीपत। डीसी डॉ वीरेंद्र कुमार दहिया ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव को समर्पित 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिले के हर घर, सरकारी आवासों, पंचायती राज संस्थानों, शिक्षण व चिकित्सा संस्थानों तथा औद्योगिक इकाईयों पर भी तिरंगा फहराया जाएगा। हर घर तिरंगा अभियान से हर नागरिक को जोडने् के लिए सभी एनजीओ, व्यापार मंडल, रेडक्रास, नेहरू युवा केंद्र, सामाजिक, धार्मिक व स्वयंसेवी संस्थाओं को सहयोग लेकर इसे जन आंदोलन का रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश को शहीदों व वीरों के अतुलनीय बलिदान के बाद आजादी मिली है, जिसके लिए हर भारतीय में गर्व की भावना होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस अभियान में समाज के हर वर्ग को शामिल किया जाएगा। तिरंगा अभियान में युवा वर्ग की अधिक से अधिक भागीदारी हो ताकि समाज में राष्ट्र के प्रति एक नया जोश नजर आए। तिरंगा देश की आन-बान और शान का प्रतीक है और प्रत्येक भारतीय का गौरव है।

रिफाइनरी युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार उपलब्ध करवाए

पानीपत। हरियाणा के महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बुधवार को पानीपत रिफाइनरी का दौरा कर कहा कि देश की तरक्की में रिफाइनरी का महत्वपूर्ण योगदान है। अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा रिफाइनरी द्वारा प्रदान किया जाता है। रिफाइनरी द्वारा युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार सृजन करना चाहिए व महिलाओं को भी कम से कम 20 से 30 प्रतिशत रोजगार मुहैया कराना चाहिए।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि रिफाइनरी को और ज्यादा ऊंचाईयों तक पहुंचने के लिए युवाओं को कौशल से संबंधित प्रशिक्षण देना सुनिश्चित करना चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि रिफाइनरी संस्थान समग्र विकास के लिए बड़ी भागीदारी कर रहा है। इस मौके पर महामहिम ने रिफाइनरी परिसर में पौधारोपण किया। रिफाइनरी पहुंचने पर पुलिस की एक टुकड़ी ने उनके सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

इस अवसर पर एक लघु फिल्म के माध्यम से रिफाइनरी के अब तक की उपलब्धियों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में रिफाइनरी के निदेशक शुक्ला मिस्त्री ने महामहिम को शुभांकर भेंट कर सम्मानित किया। रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक एम एल धामिया ने रथ की सौगात भेंट कर सम्मानित किया। महामहिम राज्यपाल ने कहा कि यह बड़ा खुशी का हर्ष है कि रिफाइनरी अपनी सिल्वर जुबली मना रहा है। यह देश ही नहीं हरियाणा प्रांत के लिए भी गर्व की बात है।

रिफाइनरी की निदेशक शुक्ला मिस्त्री ने सिल्वर जुबली के अवसर पर रिफाइनरी की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रिफाइनरी सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कोविड के दौरान रिफाइनरी का आमजन के लिए विशेष योगदान रहा। उन्होंने कहा कि 20 करोड़ की लागत से रिफाइनरी काला आम्ब को विकसित करेगा। रिफाइनरी की उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें 2021-22 कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

रिफाइनरी निदेशक ने इस अवसर पर उन्होंने आने वाले पायलेट प्रोजेक्टरों के बारे में भी महामहिम को जानकारी दी। इस मौके पर महामहिम ने रिफाइनरी के कन्ट्रोल रूप का भ्रमण किया व तेल शोध के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर उपायुक्त डॉ. वीरेन्द्र कुमार दहिया, पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत, एसडीएम वीरेन्द्र सिंह ढुल, डीएसपी सतीश गौतम, डीएसपी सुरेश सैनी (ट्रैफिक) आदि मौजूद रहे। रिफाइनरी पहुंचने पर उपायुक्त डॉ. वीरेन्द्र कुमार दहिया व रिफाइनरी प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट किए गए।

क्या आप जानते हैं नमक के फायदे और नुकसान। कु छ चीजों में नमक फायदा देता है तो कुछ में नुकसान। यदि आपको हाई (ज्यादा) बीपी है तो नमक आपके लिए जहर है, और यदि बीपी लो (कम) है तो नमक आपके लिए फायदेमंद। वैसे नमक के अन्य और भी फायदे हैं, लेकिन वही है की कुछ में फायदे भी दे सकता है और कुछ चीजों में नुकसान भी दे सकता है। जैसे आपका गला खराब है तो डॉक्टर कहता है कि आप नमक के पानी से गरारे करें। यदि आपकी कमर में या पैरों में दर्द है तो आप गर्म पानी में नमक डाल कर एक बड़े टब में आराम से उसमें बैठ जाएं, ऐसा कुछ दिन करने से आपका दर्द दूर हो सकता है। वैसे नमक भोजन में मुख्य रोल अदा करता है। इसके अलावा यह कई अन्य बीमारियों और इंफेक्शंस को भी ठीक करता है। नमक को नहाने में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

नहाने के पानी में मिलाएं नमक

पाएं स्वास्थ्य लाभ

■ नियमित रूप से नमक के पानी से नहाने से दाग और झुर्रियां कम होती हैं

नमक के पानी से नहाने के कई फायदे हैं

त्वचा के लिए : नमक का पानी यदि प्राकृतिक और शुद्ध रूप से इस्तेमाल किया जाए तो नमक के पानी में कई मिनरल्स और पो षक तत्व होते हैं जो आपकी त्वचा को जवां बनाते हैं। मैग्नीशियम, कैल्शियम, ब्रोमाइड, सोडियम जैसे मिनरल्स त्वचा के रोम छिद्रों में प्रवेश करते हैं। ये त्वचा की सतह को साफ कर इसे स्वस्थ और चमकदार बनाते हैं।

यह जहरीले और नुकसानकारी पदार्थो को दूर करता है : नमक के पानी से नहाने से त्वचा से जहरीले तत्व बाहर निकल जाते हैं। गर्म पानी त्वचा के रोम छिद्रों को खोलता है। इससे मिनरल्स त्वचा के अंदर जाकर गहराई तक सफाई करते हैं। नमक का पानी जहरीले और नुकसानकारी पदार्थो और बैक्टीरिया को त्वचा से बाहर निकालता है और इसे जवां बनाता है।

कई अन्य समस्याओं को भी दूर भगाता है : यह कई समस्याओं का समाधान करता है। यह ऑस्टियोआर्थराइटिस और टेंडीनिटिस के इलाज में भी कारगर है। ऑस्टियोआर्थराइटिस हड्डियों की खराबी से संबंधित बीमारी है और टेंडीनिटिस नसों की सूजन से संबंधित बीमारी है। नमक के पानी से नहाने से खुजली और अनिद्रा का ईलाज भी होता है।

पैरों की मांसपेशियों के लिए : *पैरों पर शरीर में सबसे ज्यादा दबाव पड़ता है। ये अधिकतर समय मूव करते हैं और शरीर को सपोर्ट प्रदान करते हैं। इससे यहां की मांसपेशियां मुलायम हो जाती हैं और इनमें जूते चप्पलों के कारण छाले भी हो जाते हैं। नमक के पानी से नहाने से मांसपेशियों में दर्द और जकड़न से निजात मिलती है। यह पैरों की दुर्गंध को भी दूर करता है।*

मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है : नमक के पानी से स्नान शरीरके साथ ही मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा है। इस पानी से स्नान करने के बाद आप ज्यादा शांत, खुश और आराम महसूस करेंगे। यह एक शानदार स्ट्रेस बस्टर है। यह मानसिक शांति भी बढ़ाता है।

त्वचा की नई परत बनाता है : त्वचा पर चमड़ी उतरकर नई चमड़ी लाने से भी त्वचा स्वस्थ रहती है। फोस्फेट्स जैसे नमक के पानी से नहाने से डिटर्जेंट की भांति सफाई होती है और चमड़ी उतरकर नई चमड़ी आती है। इससे त्वचा नरम और मुलायम रहती है।

एसिडिटी में बेहतर : एसिडिटी एक ऐसी समस्या है जिससे आजकल अधिकतर लोग ग्रसित हैं। इसके ईलाज के लिए महंगी और साइड इफेक्ट करने वाली दवाइयों की बजाय आप नमक के पानी से नहाने के नुस्खे को आजमा सकते हैं। क्षारीय प्रकृति के कारण यह अम्ल की मात्रा को कम करने में मददगार है।

त्वचा को जवां बनाए रखता है : नियमित रूप से नमक के पानी से नहाने से दाग और झुर्रियां कम होती हैं। त्वचा नरम और मुलायम बनती है। यह त्वचा को फुलावट भरा बनाता है और स्किन मॉइस्चर का संतुलन बनाए रखता है।

स्किन को मॉइस्चराइज करता है : त्वचा के लिए मॉइस्चराइजिंग बहुत जरूरी है। नमक के पानी में मौजूद मैग्नीशियम त्वचा में पानी को ज्यादा देर तक रोकता है। इससे त्वचा मॉइस्चराइज होती है और त्वचा की कोशिकाओं की ग्रोथ भी ज्यादा होती है।

मांसपेशियों में दर्द और ऐंठन दूर करता है : नमक के पानी से नियमित स्नान कर ऐंठन को भी ठीक किया जा सकता है। यह गठिया, शुगर या अन्य किसी चोट के कारण हुए मांसपेशियों में दर्द और ऐंठन को भी ठीक कर देता है।

अब ट्रेंडी समझे जाते हैं रंग-बिरंगे बाल

प्रकृति ने हमारे जीवन को रंगों से इस प्रकार संजोया है कि हम रंगों की रंगीनियों में जीने के आदी हो गए हैं। अब तो बालों को तरह-तरह के रंगों में रंगना भी आम बात हो गई है। पिछले एक दशक से फैशन जगत ने रंगों को इतना बढ़ाया है कि कपड़ों से लेकर जूते-चप्पल व सौंदर्य प्रसाधनों में हर रंग का इस्तेमाल होने लगा है। काला, नीला, बैंगनी, सफेद से लेकर ऐसे और कई रंगों की लिपस्टिक या नेल पालिश, जो पहले कभी हम लगाना सोच भी नहीं सकते थे आज सबसे पहले इन्हीं रंगों की ओर लपकते हैं।

यह रंगों का क्रम अब बढ़ते-बढ़ते केशों तक भी आ गया है। अब तो यदि केशों में रंग नहीं जंच रहा हो तो उसे लिपस्टिक, नेल पालिश या आई लैंस की तरह फौरन ही बदल डाला जा सकता है। वैसे तो चूंकि केशों में रंग उनके अपने प्राकृतिक रंग को बदल कर चढ़ाया जाता है और वह दो महीने से लेकर छह महीने तक या इससे भी अधिक समय तक केशों पर चढ़ा रहता है इसलिए केशों को रंगने से संबंधित संपूर्ण जानकारी होना बहुत जरूरी है।

केशों को इस प्रकार रंगें- (कलर शैंपू)- केशों को रंगने के लिए वैसे तो कलर शैंपू, केमिकल्स कंपाउंड, हेयर डाई, कलर स्टिक तथा नेचुरल डाई के रूप में हिना का काफी चलन है लेकिन आजकल केशों को रंगने के लिए खासतौर पर कलर शैंपू व केमिकल्स कंपाउंड का प्रयोग हो रहा है। कलर शैंपू बाजार में कई प्रकार के रंगों में उपलब्ध है।

यह खासकर सफेद केशों को काले, भूरे, लाल या बैंगनी रंग में अस्थायी तौर से रंगने के लिए प्रयोग होते हैं या फिर हल्के भूरे केशों को या ब्लीच हुए केशों को अस्थायी तौर पर कोई भी एक रंग देने के लिए इस्तेमाल होते हैं। कलर शैंपू केशों को रंगने की एक अस्थायी विधि है इसलिए इसका असर केशों पर लगभग आठ से दस बार शैंपू करने तक रहता है जबकि कलर कंपाउंड द्वारा रंगे हुए केश काफी समय तक रंगीन रहते हैं।

(कलर कंपाउंड)- केशों को कलर कंपाउंड द्वारा रंगने की विधि वही लोग अपनाते हैं जो शौकिया तौर पर केश रंगना चाहते हैं। इसलिए यह विधि घरेलू न होकर व्यावसायिक रूप से अधिक प्रचलित है। केशों को कुछ महीने के लिए किसी भी रंग में रंगने के लिए इस विधि में पहले तो केशों का स्वाभाविक कालापन हटा कर ब्लीच किया जाता है। उसके बाद इन पर इच्छित रंग चढ़ाया जाता है इसलिए यह विधि इतनी आसान नहीं है।

(हेयर डाई)- यह मूलतः सफेद केशों को काला करने के लिए ही प्रचलित है। डाई रासायनिक होता है व केश बढ़ने के साथ ही केशों में सफेदी आने पर इसे दोबारा लगना पड़ता है इसलिए बार-बार रसायनयुक्त डाई का प्रयोग केशों को कमजोर बनाता है।

(स्टिक कलर)- स्टिक कलर केयान के रूप में बाजार में उपलब्ध है। यह केशों को अस्थायी तौर पर ही रंगते हैं। इस विधि से केशों को रंगना इतना आसान होता है कि इच्छित रंग की स्टिक लेकर उसे केशों की लटों पर रगड़ने से ही केशों में रंग चढ़ जाता है और एक-दो बार शैंपू से केश धोने पर रंग आसानी से निकल भी जाता है।

(हिना)- हिना मेंहदी केशों को प्राकृतिक रूप से रंगने की एक अस्थायी विधि है। मेंहदी का रंग केशों में गहरा लाल या भूरेपन में आता है। मेंहदी चूंकि एक वनस्पति है इसलिए इसका केशों पर दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। वर्षा के दिनों में या जल्दी-जल्दी मेंहदी के इस्तेमाल से तथा उसे अच्छी प्रकार से केशों से न निकाल पाने के कारण केश रूखे हो जाते हैं व मेंहदी के बारीक कण सिर में रह जाने से सिर की त्वचा में खुजली व फंगस की शिकायत हो जाती है।

सुपर फूड जैसा है अंकुरित भोजन

शरीर में प्रोटीन की कमी होने पर थकान महसूस होती हैं। ऐसे में लोग सप्लीमेंट के तौर पर प्रोटीन लेना शुरू करते हैं। नतीजा हमारे स्वास्थ्य पर उनका बुरा प्रभाव पड़ता है। जबकि प्रोटीन का भी विकल्प मौजूद है। दरअसल, स्प्राउट्स ऐसी चीज है, जिसके खाने से कभी परेशानी नहीं होती। यह प्रचुर मात्रा में पोषक तत्व व प्रोटीन से भरा है। नट्स, अनाज और फलियों को जब पानी में डाला जाता है तो इनमें मौजूद फाइटेट्स खत्म हो जाते हैं। जिससे इसे पचाने में बेहद आसानी होती है। किसी भी अनाज को जब अंकुरित किया जाता है, तो उसमें मिनरल्स, प्रोटीन, विटामिन और अन्य पोषक तत्व अच्छी तरह अवशोषित हो जाते हैं।

जहां तक एंटी-आक्सीडेंट की बात है तो स्पाउट्स में प्रचुर मात्रा में एंटी-आक्सीडेंट पाए जाते हैं। एंटी-आक्सीडेंट शरीर की प्रक्रिया के सही ढंग से चलाने में सहायक होते हैं। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हम मंहगी से महंगी दवाइयां खरीद लेते हैं पर अपना देसी और सस्ता इलाज भूल जाते हैं। जबकि स्प्राउट्स सबसे बढ़िया व सस्ता विकल्प हैं अपने आप को स्वस्थ रखने का चना, मूंग, राजमा और मटर को रात भर पानी में डाल कर रखें और अगले दिन इसे सब्जी के साथ पका कर या फिर अंकुरित कर खा सकते हैं। स्प्राउट्स बनाने की विधि कच्चे अनाज को सुपर फूड बना देती है। उनमें प्रोटीन, फाइबर और विटामिन की मात्रा काफी बढ़ जाती है।

लंबे समय तक स्वस्थ रहने का सबसे अचछा तरीका है स्प्राउट्स। यह हमें कई तरह की बीमारियों और लाइफस्टाइल संबंधी परेशानी से बचाती है। स्प्राउट्स को पोषक तत्वों का बंडल भी कहा जाता है। अनाज जैसे गेहूं, मक्का रागी, बार्ली और बाजरे को 12 घंटे पानी में भिगोकर मिट्टी में डाल दिया जाता हैं। इनके नन्हें पौधे 10-12 दिनों में तैयार हो जाते हैं। इनका जूस सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। तिल, मूली और मेथी के बीज खाने में तो कड़वे होते हैं, पर इन्हें स्प्राउट्स के साथ मिलाकर खाया जा सकता हैं। हरे और काले चने, के स्प्राउट्स के साथ-साथ ओट्स, बकवीट में उच्च मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं। अलफा अलफा को स्प्राउट्स का राजा कहा जाता है। इसमें मैंगनीज की उच्च मात्रा पाई जाती हैं और साथ में विटामिन ए, बी, सी, ई और के की प्रचुर मात्रा भी होते हैं। इसमें एमिनो एसिड और दूध से काफी ज्यादा कैल्शियम पाया जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली - 2912

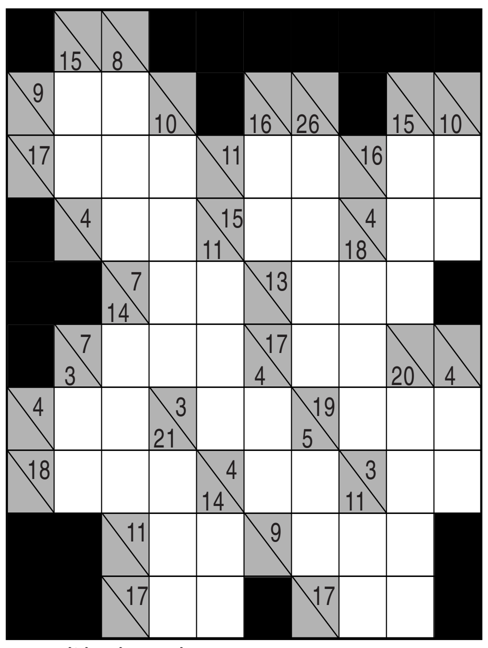

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

11/7 → 1 2 3 5; ↑ 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 2911 का हल

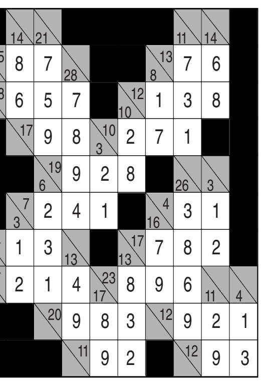

हंसी के फूव्वारें

बबलू अपने मित्र को पिछले रविवार का हाल बता रहा था. 'छुट्टी के दिन सुबह ही से मैं अपने बगीचे में काम कर रहा था. अचानक वहां मुझे एक सिक्का मिल गया. मैंने उसे उठाकर अपनी जेब में रख लिया और दोबारा काम करने लगा. फिर मुझे एक सिक्का मिला, उसे भी मैंने जेब में डाल लिया और काम शुरू कर दिया. तकरीबन दस बार ऐसा ही हुआ.'

मित्र ने दिलचस्पी से पूछा, 'क्यों, क्या कोई खजाना छिपा हुआ था वहां?'

बबलू ने बताया, 'नहीं यार, मेरी जेब फटी हुई थी.'

'अरे यार, आज सड़क पर इतने सारे पेपर क्यों पड़े हैं?'

'भई, ये नगर निगम के इश्तहार हैं. इनमें आम जनता से अपील की गयी है कि सड़कों पर गंदगी न फैलायें.'

एक स्त्री अपने पति को झिड़ककर बोली, 'हाय-हाय ! मेरी तो किस्मत ही फूट गयी, जो तुमसे विवाह हुआ. मुझे तुमसे अच्छे और ज्यादा अक्लमंद वर मिल रहे थे.'

पति बोला, 'बेशक वे मुझसे ज्यादा अच्छे और अक्लमंद थे. तभी तो तुम्हारे चंगुल में नहीं फंसे.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2912

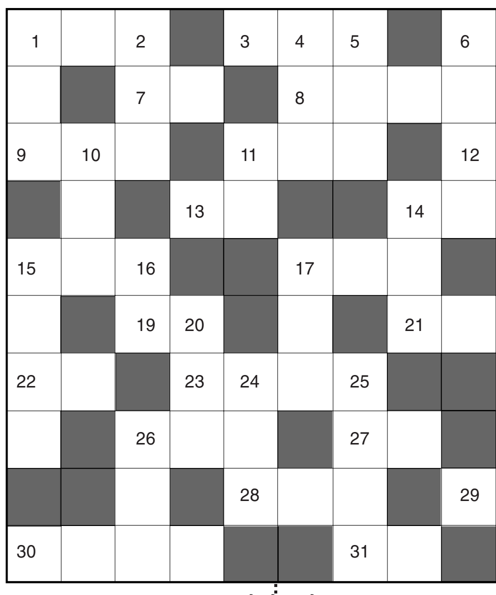

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका ?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक ?-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

फिल्म वर्ग पहेली- 2911

सूडोकु -2912

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2911 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 2912

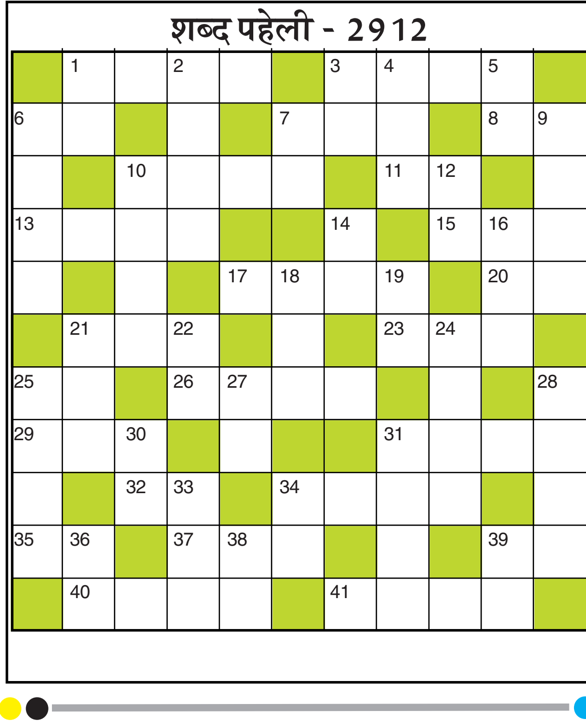

बाएँ से दाएँ

1.बलवान,ताकतवर-4
3.गाल,कपोल(ऊर्दू)-4
6.अनाज, धान-2
7.अवनति-3
8.जीवन तत्व-2
10.पुलिसकर्मी-4
11.भीगा हुआ-2
13.घमंडी,अभिमानी-4
15.दर्शन-3
17.अजदहा,शयालु-4
20.वायु रोग-2
21.दोस्त,सखा-3
23.ख्वाब,स्वप्न-3
25.अपशिष्ट पदार्थ-2
26.जंगल की आग-4
29.पुत्र,लड़का-3
31.पैगंबर,महापुरुष-4
32.राय,वोट-2
34.आफिस,दफ्तर-4
35.वीज,वीर्य-2
37.घर,भवन-3
39.सप्तम-2
40.आक्रमण,हमला-4
41.बलवान,सबल-4

ऊपर से नीचे

1.एक छोटी डबलरोटी-2
2.धर्मेंद्र,जीनत की एक फिल्म जो हीरे की चोरी पर बनी थी-4
3.मौसम,ॠतु-2
4.खोदना-3
5.छुट्टी,अवकाश-2
6.उदास,दुखी-4
7.पंख,पराया-2
9.जहीनता-4
10.आवश्यकता-4
12.अभिमान,गरुर-2
14.अग्नि,अनल-2
16.विदा होना-3
18.कुशल-3
19.फलों का रस-2
21.संगम,मिलना-3
22.वायदा-2
24.हार,मात-4
25.स्वार्थी-4
27.दीवार (अंग्रेजी-2)
28.आदत-4
30.यमराज-2
31.उथल-पुथल-4
33.पदक-3
34.श्रवणेंद्रिय-2
36.जीत,विजय-2
38.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.पत्नी की बहन-2

शब्द पहेली -2911 का हल

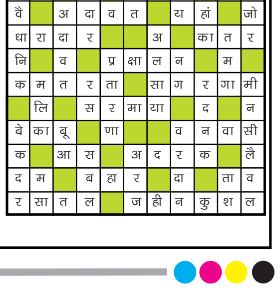

रजनीकांत का क्रेज

जेलर की रिलीज के दिन चेन्नई और बेंगलुरु के ऑफिसों में छुट्टी घोषित!

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की दुनियाभर में जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। साउथ मे तो रजनीकांत को लोग भगवान की तरह पूजते भी हैं। रजनीकांत की फिल्मों का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। रजनीकांत जल्द ही फिल्म जेलर में नजर आने वाले हैं। फैंस के बीच थलाइवा की इस फिल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। फिल्म जेलर के जरिए रजनीकांत लगभग 2 साल बाद पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। जेलर 10 अगस्त को रिलीज के लिए तैयार है। वहीं फैंस के बीच इस फिल्म के क्रेज को देखते हुए चेन्नई और बेंगलुरु में कई ऑफिसों ने 10 अगस्त को कर्मचारियों के लिए छुट्टी घोषित कर दी गई है। खबरों के अनुसार सुपरस्टार रजनीकांत को लेकर जेलर का फीवर न्यूयॉर्क शहर के टाइम्स स्क्वायर तक भी पहुंच गया। जेलर को अच्छी स्क्रीन प्रेजेंस मिलने का अनुमान लगाया जा रहा है, जो रजनीकांत के लिए एक शानदार शुरुआत होगी। बता दें कि फिल्म जेलर वर्ल्डवाइड रिलीज हो रही है। यह फिल्म तमिल के अलावा हिंदी, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलजी होगी।फिलम में रजनीकांत के अलावा जैकी श्रॉफ और तमन्ना भाटिया भी है। मेकर्स ने फिल्म में एक कैमियो के लिए मलयालम एक्टर मोहनलाल को चुना है।

एटली के अगले प्रोडक्शन में वरुण के साथ नजर आएंगी वामिका

जुबली में अपने एक्टिंग स्किल से सभी को हैरान करने वाली एक्ट्रेस वामिका गब्बी फिल्म निर्माता एटली की अपकमिंग हिंदी प्रोडक्शन में नजर आएंगी, जिसमें वरुण धवन भी हैं। अभी तक अपकमिंग प्रोजेक्ट का टाइटल तय नहीं हो पाया है। फिलहाल, इसे हैशटैग वीडी18 के नाम से जाना जाता है और यह 31 मई, 2024 को रिलीज होने वाली है। वामिका ने कहा, मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर रोमांचित और आभारी हूं। वरुण और कीर्ति सुरेश के साथ काम करने का अवसर निश्चित रूप से कुछ ऐसा है जिसका मैं इंतजार कर रही थी। मैं फुल कर्मिशियल हिंदी प्रोजेक्ट की तलाश में थी और यह बस इतना ही है। मैं मुराद सर और एटली के साथ काम करने और सहयोग करने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। ग्रहण, माई और हाल ही में रिलीज हुई जुबली में शानदार परफॉर्मेंस के साथ इंडस्ट्री में अपनी योग्यता साबित करने के बाद, वामिका इस प्रोजेक्ट के लिए पूरी तरह तैयार हैं। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म की के लिए फेमस टैलेंटेड स्क्रीनराइटर कलीज द्वारा लिखित, यह फिल्म एक रोमांचक सिनेमाई एक्सपीरियंस देने का वादा करती है। शानदार कलाकारों और सम्मोहक कहानी के ऐसे पावर–पैक कॉम्बिनेशन के साथ, हैशटैग वीडी18 साल 2024 की सबसे सफल फिल्मों में से एक होने की उम्मीद है। इसके अलावा, वामिका वर्तमान में बुडापेस्ट की अगली फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं, और वह विशाल भारद्वाज की पहली ओटीटी सीरीज चार्ली चोपड़ा एंड द मिस्ट्री ऑफ सोलंग वैली और नेटफ्लिक्स के साथ विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित फिल्म खुफिया में तब्बू सह–कलाकार हैं, का इंतजार है। वामिका ने पंजाबी, हिंदी, तमिल, मलयालम और तेलुगु फिल्मों में काम किया है। उन्होंने हिंदी फिल्म जब वी मेट में एक छोटी सी भूमिका के साथ स्क्रीन पर अपनी शुरुआत की। लेकिन उन्हें बड़ी सफलता यो यो हनी सिंह और अमरिंदर गिल के साथ फिल्म तू मेरा 22 मैं तेरा 22 (2013) से मिली। फिर उन्होंने इश्क ब्रांडी (2014), निक्का जैलदार 2 (2017), परहुना (2018), दिल दियां गल्लां (2019) और निक्का जैलदार 3 (2019) जैसी कई पंजाबी फिल्मों में अभिनय किया।

ब्रेकिंग बैड के हिंदी वर्जन में नजर आएंगे गुलशन

बॉलीवुड के ओरिजनल बैड मैन एक्टर गुलशन ग्रोवर ने ब्रेकिंग बैड के हिंदी रीमेक में एक्टिंग करने की अपनी इच्छा के बारे में खुलासा किया और बताया कि आखिरकार वह इसका हिस्सा कैसे बने। यह विंस गिलिगन द्वारा निर्मित क्राइम ड्रामा है। यह शो एंटीहीरो, पावर और इंटीग्रिटी के थीम्स पर केंद्रित है। ब्रेकिंग बैड– हिंदी के एक स्पेशल प्रोमो में गुलशन हेक्टर सलामांका के किरदार में नजर आएंगे। हेक्टर का किरदार मार्क मार्गोलिस ने निभाया था। यह किरदार जुआरेज कार्टेल का एक पूर्व हाई–रैंकिंग मेंबर है, जो अब स्ट्रोक के कारण चलने या बोलने में असमर्थ है। वह घंटी की मदद से बात करता है। मार्क का हाल ही में निधन हो गया, और गुलशन का वीडियो एक्टर और किरदार को एक श्रद्धांजलि है। उसी के बारे में बात करते हुए, गुलशन ने कहा, कुछ ऐसे शो हैं जिन्हें पीढ़ी दर पीढ़ी याद किया जाता है और देखा जाता है। ब्रेकिंग बैड उनमें से एक है; यह टीवी शो में एक बेंचमार्क है और यकीनन अब तक का सबसे अच्छा टीवी शो है। 67 वर्षीय अभिनेता ने कहा, जब मैंने पहली बार यह शो देखा, तो मेरी इच्छा थी कि वे इसका हिंदी में रीमेक बनाएं और मैं भी इसमें एक्टिंग कर सकूं। हालांकि ऐसा नहीं हुआ, जब मैंने सुना कि ज़ी कैफे हिंदी डबिंग के साथ शो ला रहा है, तो मुझे पता था कि मुझे किसी भी तरह से इसका हिस्सा बनना होगा। उन्होंने इस स्पेशल प्रोमो के लिए मुझसे संपर्क किया और मैंने इसकी शूटिंग में बहुत अच्छा समय बिताया। प्रोमो में गुलशन को अपने किरदार के लिए काफी मेहनत करते हुए देखा गया है, क्योंकि वह एक लकवाग्रस्त व्यक्ति हेक्टर सलामांका की भूमिका में हैं। वह घंटी बजाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

कोरियोग्राफर गीता का छलका दर्द

हाल ही में मशहूर कोरियोग्राफर गीता का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह बताती हैं कि जब सेलेब्स कैमरा को इग्नोर करते हैं तो उन्हे काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि मीडिया ने गीता को फोटोज के लिए रोक कर रखा है और गीता ये कहती नजर रहीं हैं कि, 'ये असलियत भी दिखाओ कभी कि पीछे क्या चल रहा है....रहने दो...जानो दो....काम है नहीं तो बहुत गाली पड़ती है हमको....आपको पता नहीं?...बहुत डांटते हैं।'इसके बाद वह कैमरे के लिए पोज देती हैं और फिर चली जाती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो गीता इन दिनों सोनाली के साथ रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर 3 को जज कर रहीं हैं। मालूम हो कि सेलिब्रिटीज की लाइफ में पर्सनल स्पेस नाम की कोई चीज नहीं होती। कई बार न चाहते हुए भी वह मीडिया के कैमरे में कैप्चर हो जाते हैं और उनकी छोटी–बड़ी बात तुरंत पब्लिक न्यूज बन जाती है।

ओजी से टाइगर 3 तक

इमरान हाशमी ने की डार्क रोल्स के प्रति अपनी रुचि के बारे में बात की

पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड में नायकों की अच्छी खासी हिस्सेदारी देखी गई है। दमदार रोमांटिक लीड से लेकर एक्शन से भरपूर मैन लीड तक इंडस्ट्री ने विभिन्न ट्रेंड्स देखे हैं। हालांकि, एक अभिनेता जो डार्क कैरेक्टर्स को सबसे स्टाइलिश ढंग से अदा करता है, वह है इमरान हाशमी। साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में हाल ही में कदम रखने और सह–कलाकार पवन कल्याण के साथ ओजी में खलनायक की भूमिका निभाने और टाइगर 3 में विलेन के रूप में अपनी भूमिका के इमरान साथ हाशमी बॉलीवुड और उससे परे अपने लिए एक अद्वितीय जगह बना रहे हैं। इमरान हाशमी ने कहानी कहने के अपने विशिष्ट दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए खुलासा किया, डार्क कैरेक्टर्स और नॉयर जॉनर के दायरे में जाना मानव मानस के अज्ञात क्षेत्रों का पता लगाने के लिए एक यात्रा शुरू करने जैसा है, जिसने भारतीय सिनेमा के परिदृश्य में उनके लिए एक विशेष जगह बनाई। रोमांटिक रोल्स से डार्क कैरेक्टर्स की ओर इमरान हाशमी का परिवर्तन धीरे–धीरे लेकिन प्रभावशाली था। गैंगस्टर, वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई और द डर्टी पिक्चर जैसी फिल्मों में उन्होंने जटिल और नैतिक रूप से अस्पष्ट भूमिकाओं में अपने अभिनय कौशल का प्रदर्शन किया। इन प्रदर्शनों ने न केवल उनकी बहुमुखी प्रतिभा को साबित किया बल्कि बॉलीवुड हीरो की पारंपरिक धारणा को भी चुनौती दी। दर्शकों ने उन किरदारों में गहराई और परतें जोड़ने की हाशमी की क्षमता की सराहना करना शुरू कर दिया, जो पारंपरिक नायक आदर्श से बहुत दूर थे।

पति से अलग होने के बाद छलका कुशा कपिला का दर्द

एक इंडियन फैशन एडिटर, सोशल मीडिया पर्सनैलिटी, कॉमेडियन, एक्ट्रेस और यूट्यूबर कुशा कपिला और जोराव अहलूवालिया के डिवोर्स को 40 दिन से ज्यादा हो गए हैं। एक्ट्रेस तब से रेगुलर काम कर रहीं हैं, जिसमें दीपिका पादुकोण के साथ शूट और जियो सिनेमा पर उनका शो टिंडर स्वाइप राइड भी शामिल है। हालाँकि, कुशा ने बीते रविवार अपने इस्टाग्राम पर एक लबा नोट लिखा कि अपने पार्टनर से अलग हो जाने से दु:ख कम नहीं होता। कुशा ने एक इमोशनल पोस्ट शेयर करते हुए अपने मन के बोझ को शेयर किया है। एक्ट्रेस ने काफी लंबा नोट शेयर किया है। ऐसे में कई सेलेब्स

मौका मिला तो एक्टिंग भी करेंगी सुनिधि चौहान

भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय गायिक सुनिधि चौहान ने अपने गायन करियर एक से बढ़कर एक हिट गाने गाए हैं। जब वह ग्यारह साल की थी, तभी उनव पहली बार उदित नारायण के साथ फिल्म अस्त्र में लड़की दीवानी देखो गाने का मौका मिला। इस गाने से फायदा यह हुआ कि पहली बार हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन व साथ पहली बार वर्ल्ड टूर में गाने के मौका मिला। तब से लेकर विदेश में उनव कई म्यूजिकल कंसर्ट हो चुके हैं। अब वह पहली बार मुंबई में 20 अगस्त को एक म्यूजिकल कंसर्ट करने जा रही है। इस म्यूजिकल कंसर्ट के प्रेस कांफ्रें के दौरान सुनिधि चौहान ने इस बात का खुलासा किया कि अगर उन्हें मौका मिले तो वह एक्टिंग में अपनी किस्मत आजमा सकती हैं। गायिका सुनिधि चौहान ने फिल्मों में एक से बढ़कर एक हिट गाने गाए हैं। वह 11 साल की उ से स्टेज शो भी कर रही हैं। सुनिधि चौहान ने कहा, मैं 11 साल से स्टेज शो कर रही हूं। अब तक बहुत सारे म्यूजिक कंसर्ट किए हैं। वैसे तो मुंबई में मैंने बहुत सारे स्टेज शो किए हैं। लेकिन मुंबई में यह मेरा पहला ऐसा म्यूजिक कंसर्ट है, जिसमे लोग टिकट लेकर मेरा शो देखने आएंगे। मुझे ऐसा लग रह है कि मैं अपने घर में शो करने जा रही हूं। गायिका सुनिधि चौहान अपने स्टेज कार्यक्रम के दौरान पहले सिर्फ अपने गाने गाती थी। अब वह अपने गानों पर परफॉर्म भी करती है। वह कहती हैं, स्टेज कार्यक्रम के दौरान जब मैं माधुरी दीक्षित को मेरे गाए गानों पर परफॉर्म करते देखती तो बैक स्टेज पर उनके जैसा डांस करने की कोशिश करती थी। जब कार्यक्रम के आयोजन ने मुझे बैक स्टेज पर डांस करते देखा तो उन्होंने सुझाव दिया किया कि आप खुद क नहीं अपने गानों पर डांस करती हैं? उनका सुझाव मुझे अच्छा लगा और तीन साल तक मैने डांस सीखा। अब जितने भी मेरे म्यूजिकल कंसर्ट होते हैं, अप गानों पर खुद ही डांस करती हूं।

इस वीकेंड बॉक्स ऑफिस पर सनी और अक्षय होंगे आमने-सामने

इस वीकेंड बॉक्स ऑफिस पर बड़ी टक्कर होगी, क्योंकि इस शुक्रवार को गदर–2 और ओह माय गॉड–2 रिलीज होंगी। दोनों फिल्में सीक्वल हैं और उनका अपना फैन बेस है। सिनेलवर्स के बीच अपनी फेवरेट मूवी को लेकर खास एक्साइटमेंट है। रिसर्च एनालिस्ट जिनेश जोशी का कहना है कि गदर–2 सिंगल स्क्रीन में दर्शकों की भारी संख्या को इक्ट्ठा कर सकती है। फिल्म के लिए एडवांस बुकिंग ट्रेंड काफी हाई है। दिलचस्प बात यह है कि गदर–2 का निर्माण जी स्टूडियोज़ ने किया है, जबकि ओह माय गॉड–2 का निर्माण वायाकॉम18 स्टूडियोज ने किया है। बॉलीवुड से परे, रजनीकांत स्टारर जेलर और चिरंजीवी स्टारर भोला शंकर भी इस वीकेंड रिलीज होने वाली हैं। जेलर का निर्माण सन पिक्चर्स द्वारा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रजनीकांत दो साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं, जबकि चिरंजीवी के फैंस वाल्टेयर वीरय्या (उनकी आखिरी रिलीज) के हिट के बाद उत्साहित है। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस की छुट्टियों के बीच बॉक्स ऑफिस पर सभी फिल्में लंबे समय तक चलेंगी। हालांकि यह देखना दिलचस्प होगा कि इस शुक्रवार कौन सी फिल्म दौड़ में आगे रहेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011